वर्ष : 34 | अंक : 330 | मुंबई, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- शातिर युवराज से सरनेम चुराने वाले तक, विपक्ष पर पीएम मोदी ने साधा निशाना
- लोकसभा में पीएम की स्पीच के बिना धन्यवाद प्रस्ताव पास, 2004 के बाद ऐसा पहली बार
- राज्यसभा में पीएम ने 97 मिनट का दिया भाषण

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पीएम मोदी के शब्द बाण

वैश्विक ट्रेड डील्स और ऐतिहासिक उपलब्धियां

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। हंगामे और वॉकआउट के बीच पीएम मोदी ने विकसित भारत का रोडमैप पेश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि आज दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाएं भारत के साथ व्यापारिक समझौते करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने 27 देशों वाले यूरोपीय संघ (EU) के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। पीएम ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले ऐसी स्थिति थी कि कोई देश भारत के साथ ट्रेड डील करने को तैयार नहीं था, लेकिन आज स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं।

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपना संबोधन दिया, लेकिन उनके भाषण के दौरान विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने विपक्ष पर जमकर शब्द बाण चलाए। जहां राहुल गांधी पर सरनेम चुराने का आरोप लगाया तो वहीं चुनावी राज्यों को लेकर भी उन्होंने कई बड़े बयान दिए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पास

बजट सत्र के 7वें दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। इससे पहले 10 जून 2004 को विपक्ष ने तत्कालीन PM मनमोहन सिंह को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने दिया था। वहीं प्रधानमंत्री ने गुरुवार को राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर करीब 97 मिनट का भाषण दिया। विपक्षी सांसदों ने स्पीच की शुरुआत में यहां भी हंगामा किया और फिर वॉकआउट कर गए।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

भारत की विकास यात्रा पर बोलते हुए पीएम ने कहा कि 2014 में जो भारत 11वें स्थान पर था, वह अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का यह दूसरा कालखंड भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने में निर्णायक साबित होगा।

लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी

गुरुवार को लोकसभा शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस पर स्पीकर ने पहली बार 65 सेकंड के भीतर, दूसरी बार 5 मिनट में, तीसरी और चौथी बार 2-2 मिनट में कार्यवाही स्थगित कर दी। 3 बजे हंगामे के बाद लोकसभा शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं कांग्रेस के लोकसभा से निलंबित सांसद मणिकम टैगोर ने कहा था कि जब तक लोकसभा में राहुल गांधी को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं दी जाती, तब तक विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी को सदन में बोलने नहीं देगा।

सरदार पटेल और नर्मदा बांध की उपेक्षा

पीएम मोदी ने परियोजनाओं में देरी के लिए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस नर्मदा बांध की कल्पना की थी, उसका शिलान्यास पंडित नेहरू ने किया, लेकिन उसे पूरा करने और उद्घाटन करने का सौभाग्य मुझे (मोदी को) मिला। उन्होंने याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्हें इस परियोजना के लिए तीन दिनों तक अनशन पर बैठना पड़ा था।

खरगे पर तंज

प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने 'नेता प्रतिपक्ष को बोलने दो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए। इस हंगामे के बीच पीएम मोदी ने मल्लिकार्जुन खरगे पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें अपनी उम्र का लिहाज करना चाहिए और 'बैठकर' नारे लगाने चाहिए। पीएम ने कहा कि विपक्ष सत्य सुनने की ताकत खो चुका है, इसीलिए भाषण शुरू होने के कुछ ही देर बाद उन्होंने सदन से वॉकआउट कर दिया।

महाराष्ट्र में लगातार छठे साल सड़क हादसों में वृद्धि

- पिछले साल मौतों की संख्या में मामूली कमी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में लगातार छठे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर चोटों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले साल सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या में मामूली गिरावट देखी गई। अधिकारियों ने परिवहन विभाग के 2025 के अनंतिम दुर्घटना आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राज्य में कुल 36,450 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में गंभीर रूप से घायल लोगों की संख्या में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो लगातार छठी वार्षिक वृद्धि को दर्शाती है।

वर्ष-दर-वर्ष दुर्घटना आंकड़े

राज्य में 2020 में 24,971 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई थीं, जो 2021 में बढ़कर 29,477, 2022 में 33,383, 2023 में 35,243 और 2024 में 36,110 तक पहुंच गईं। यह आंकड़े राज्य में सड़क सुरक्षा की चुनौतियों को उजागर करते हैं।

वर्ष	कुल दुर्घटनाएं	मौतों की संख्या	गंभीर घायल
2020	24, 971	11,569	13,971
2024	36,110	15,715	22,051
2025	36,450	15,549	23,756

गंभीर चोटों में वृद्धि

अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र 2025 में गंभीर रूप से घायल होने वालों की संख्या कम करने में विफल रहा। 2025 में 23,756 लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जो 2024 में दर्ज 22,051 मामलों से अधिक है।

पिछले वर्षों का रुझान

आंकड़ों के मुताबिक, 2020 के बाद सड़क दुर्घटनाओं में मौतों में लगातार वृद्धि देखी गई। वर्ष 2020 में 11,569 लोगों की जान गई थी, 2021 में 13,528, 2022 में 15,224, 2023 में 15,366 और 2024 में 15,715 लोगों की मौत हुई।

मौतों में मामूली गिरावट

हालांकि, महाराष्ट्र 2021 के बाद पहली बार सड़क हादसों में मौतों की संख्या में थोड़ी कमी लाने में सफल रहा। 2025 में 14,440 घातक दुर्घटनाओं में 15,549 लोगों की जान गई, जबकि 2024 में 14,565 घातक दुर्घटनाओं में 15,715 मौतें हुई थीं।

साल-दर-साल गंभीर चोटों का आंकड़ा

2020 में 13,971 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। वर्ष 2021 में यह संख्या बढ़कर 16,073, 2022 में 19,540, 2023 में 21,446 और 2024 में 22,051 तक पहुंच गई।

9 फरवरी के बाद सुनेत्रा पवार स्पष्ट करेंगी विलय पर भूमिका: रोहित पवार

मुंबई। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए स्पष्ट किया है कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार 28 जनवरी को हुए अजित पवार के निधन की 13 दिवसीय शोक अवधि समाप्त होने के बाद ही दोनों राष्ट्रवादी दलों के संभावित विलय पर अपनी आधिकारिक भूमिका सार्वजनिक करेंगी। उन्होंने बताया कि दुख की इस घड़ी में पवार परिवार के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम हुई हैं और कार्यकर्ताओं की यह सामूहिक इच्छा है कि सुनेत्रा पवार न केवल उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालें, बल्कि उन्हें एनसीपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनाया जाए। रोहित पवार ने यह भी जानकारी दी कि 9 फरवरी के बाद वे अजित पवार से जुड़े विमान हादसे के तकनीकी विवरण साझा करेंगे और उनकी 40 वर्षों की सार्वजनिक सेवा को देखते हुए एक स्मारक संग्रहालय बनाने पर भी निर्णय लिया जाएगा।

लाडली बहन योजना में 'लाडले भाइयों' की सेंधमारी

- 710 पुरूषों ने ऑनलाइन किया आवेदन

मुंबई/नंदुरबार। महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' में सेंध लगाने की एक हैरान करने वाली कोशिश नंदुरबार जिले में उजागर हुई है। नंदुरबार जिले में करीब 710 पुरुषों ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा कर दिए। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बनाई गई इस योजना में पुरुषों द्वारा सेंध लगाने की इस कोशिश ने शासन और प्रशासन के बीच हड़कंप मचा दिया है।

जांच के दौरान पकड़ी गई बड़ी धांधली

नंदुरबार जिला प्रशासन की सतर्कता के कारण इस गड़बड़ी का समय रहते पता चल सका। महिला व बाल कल्याण विभाग जब प्राप्त आवेदनों की छंटनी और सत्यापन कर रहा था, तब अधिकारियों को कुछ आवेदनों पर संदेह हुआ। आधार कार्ड, लिंग और बैंक खातों के गहन निरीक्षण के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि सैकड़ों पुरुषों ने खुद को लाभार्थी के रूप में पंजीकृत करने का प्रयास किया है।

इस मामले के उजागर होने के बाद राज्य सरकार ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। महिला व बाल कल्याण विभाग ने अब महाराष्ट्र के सभी जिलों में लाभार्थियों की सूचियों की पुन: जांच करने के आदेश जारी किए हैं।

दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की कोशिश

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इन 710 पुरुषों ने न केवल आवेदन भरे, बल्कि योजना की राशि (1500 रुपये प्रतिमाह) हड़पने के लिए जरूरी दस्तावेज भी संलग्न किए थे। प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि क्या यह किसी संगठित गिरोह का काम है या व्यक्तिगत स्तर पर की गई धोखाधड़ी। संबंधित सभी संदिग्ध आवेदनों को तुरंत खारिज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ब्रीफ न्यूज़

आपराधिक मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सरकार से मांगी प्रोग्रेसिव रिपोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रोग्रेसिव रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत ने नाराजगी व्यक्त की कि सरकार उन जनप्रतिनिधियों की सटीक जानकारी देने में विफल रही है, जिनके खिलाफ विभिन्न जिलों में मामले दर्ज हैं, और सरकारी वकील से पूछा कि अब तक कितनों पर आरोप तय किए गए हैं। वर्तमान में राज्य भर में जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कुल 488 मामले दर्ज हैं, जिनमें से केवल 10 का निपटारा हुआ है और 47 में आरोप तय किए जा सके हैं। पीठ ने पुलिस पोर्टल को जेलों से जोड़ने और आरोपियों की पहचान डिजिटल रूप से पुख्ता करने पर जोर दिया, साथ ही राज्य न्यायालय प्रबंधन प्रणाली (एससीएमएस) समिति को राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों को वापस लेने के प्रस्तावों की समीक्षा करने और जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए नियमित बैठकें करने का आदेश दिया।

मुंढवा भूमि प्रकरण: पार्थ पवार की क्लीन चिट पर राजस्व मंत्री ने दी सफाई

मुंबई। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पुणे के चर्चित मुंढवा भूमि विवाद में पार्थ पवार को क्लीन चिट मिलने की खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि इस मामले की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी शासन को प्राप्त नहीं हुई है। बुधवार को छत्रपति संभाजी नगर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि जांच के लिए गठित 'खारगे समिति' ने अपनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है।

अजब गजब सियासत

शिवसेना, शिवसेना यूबीटी और राकांपा के दोनों गुट हुए एकजुट

जिला परिषद चुनाव

एजेंसी | सोलापुर

सोलापुर जिले के बारशी तालुका में स्थानीय चुनाव से पहले राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा) ने अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के साथ मिलकर एक संयुक्त राजनीतिक मोर्चा बनाया है। यह गठबंधन 7 फरवरी को होने वाले 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों से पहले गठित किया गया है।

शिंदे ने किया संयुक्त मोर्चे के लिए प्रचार

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को बारशी तालुका के वैराग में आयोजित रैली में इस संयुक्त मोर्चे के समर्थन में प्रचार किया। रैली में शिवसेना (उबाठा) विधायक दिलीप सोपाल भी मंच पर मौजूद थे। हल्के-फुल्के अंदाज में शिंदे ने कहा कि सोपाल ने गलत रास्ता चुन लिया, वरना वे आज मंत्रिमंडल में होते। उनका इशारा 2024 के विधानसभा चुनाव में सोपाल द्वारा शिवसेना (शिंदे) के बजाय शिवसेना (उबाठा) के साथ जाने की ओर था।

1600 की आबादी वाले गांव में 15,570 जन्म-मृत्यु प्रविष्टियां

- सोमैया ने जांच की मांग की

नांदेड। नांदेड जिले की कंधार तहसील के सावलेश्वर गांव में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, इस गांव की कुल आबादी मात्र 1,666 है, लेकिन वर्ष 2025 के दौरान केंद्रीय नागरिक पंजीकरण प्रणाली पोर्टल पर यहाँ 15,000 से अधिक जन्म और मृत्यु पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। आबादी से कई गुना अधिक इन प्रविष्टियों ने प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं।

ग्राम सेविका भावना कावले ने खुलासा किया कि ये सभी संदिग्ध पंजीकरण पोर्टल की 'पुरानी घटना जोड़ें' (Add Old Event) श्रेणी के तहत किए गए हैं। इस श्रेणी का उपयोग आमतौर पर उन जन्म या मृत्यु के मामलों के लिए किया जाता है जो सालों पहले हुए हों और उस समय दर्ज न किए गए हों। सावलेश्वर में इस श्रेणी के तहत कुल 15,570 विलंबित पंजीकरण दर्ज किए गए।

वेबसाइट हैक होने और अंतरराज्यीय गिरोह की आशंका

भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने इस मामले को एक 'नया घोटाला' करार दिया है। नांदेड का दौरा करने के बाद उन्होंने आशंका जताई कि सीआरएस वेबसाइट को हैक किया गया होगा। सोमैया ने दावा किया कि इसमें उत्तर प्रदेश और बिहार के किसी बड़े गिरोह की संलिप्तता हो सकती है। उनके अनुसार, यह केवल एक गांव का मामला नहीं है, बल्कि एक व्यापक नेटवर्क के तहत फर्जी पहचान पत्र या प्रमाण पत्र बनाने की बड़ी साजिश हो सकती है।

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में फैला जाल

जांच में यह बात भी सामने आई है कि इसी तरह की धोखाधड़ी के मामले उत्तर प्रदेश में छह और महाराष्ट्र के चार अन्य स्थानों पर भी मिले हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के सेंदुर, सानी और भवानी गांवों के साथ-साथ जलगांव जिले के रताले गांव से भी संदिग्ध पंजीकरण की खबरें आई हैं।

निर्विरोध नहीं होगा बीएमसी मेयर का चुनाव

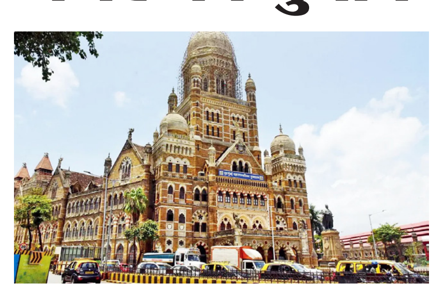

- उद्धव ठाकरे की शिवसेना उतार सकती है अपना उम्मीदवार

मुंबई। मुंबई की सत्ता का केंद्र माने जाने वाले बीएमसी मुख्यालय में आगामी 11 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे महापौर और उपमहापौर पद के लिए मतदान होगा। बीएमसी प्रशासन ने चुनाव की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 7 फरवरी तय की गई है।

हाल ही में संपन्न हुए बीएमसी चुनावों में भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना (महायुति) ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। 227 सीटों वाली बीएमसी में बहुमत के लिए 114 का आंकड़ा चाहिए, जबकि महायुति के पास कुल 118 सीटें (भाजपा-89, शिवसेना शिंदे-29) हैं। इसके अलावा 3 पार्षदों वाली अजित पवार की एनसीपी का भी उन्हें समर्थन प्राप्त है, जिससे महायुति की राह काफी आसान नजर आ रही है।

मातोश्री में उद्धव ठाकरे की अहम बैठक

मेयर चुनाव को निर्विरोध होने से रोकने के लिए शिवसेना (UBT) ने कमर कस ली है। इसी सिलसिले में गुरुवार दोपहर 'मातोश्री' पर उद्धव ठाकरे ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और नवनिर्वाचित पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक का मुख्य एजेंडा मेयर और उपमेयर पद के लिए उम्मीदवार उतारने की रणनीति तय करना है। उद्धव ठाकरे इस चुनाव को एक 'वैचारिक लड़ाई' के रूप में देख रहे हैं।

भले ही संख्याबल शिवसेना (UBT) के पक्ष में न हो, लेकिन पार्टी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए मैदान में उतरने को तैयार है।

संसद सत्र | भारतीयों को वापस भेजने के मामले में सऊदी अरब पहले नंबर पर

2025 में 22,900 भारतीयों को दुनिया के देशों ने भारत वापस भेजा

एजेंसी | नई दिल्ली

विदेशों में बेहतर भविष्य का सपना लेकर जाने वाले भारतीयों के लिए संसद से एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया भर के विभिन्न देशों ने कुल 22,900 भारतीयों को गलत वीजा, अपूर्ण दस्तावेज या अवैध प्रवेश के कारण भारत वापस भेज दिया है। इस सूची में खाड़ी देशों के साथ-साथ अमेरिका और मलेशिया जैसे देश शीर्ष पर रहे हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारतीयों को वापस भेजने के मामले में सऊदी अरब पहले नंबर पर है। अकेले सऊदी अरब के जेद्दा से 8,921 और रियाद से 4,335 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। दूसरे स्थान पर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) है, जहाँ दुबई से 7,896 और अबू धाबी से 1,662 लोगों को वापस भेजा गया। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में श्रमिक और कामगार उचित कागजात न होने के कारण पकड़े जा रहे हैं।

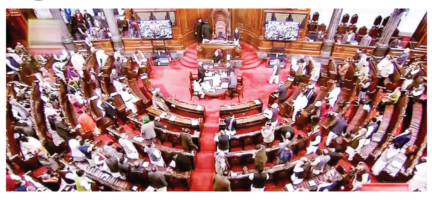

'डंकी रूट' और एजेंटों का जानलेवा जाल

विदेश मंत्रालय के अनुसार, निर्वासन का मुख्य कारण 'डंकी रूट' (अवैध रास्ता) और गलत कागजात हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा अक्सर स्थानीय एजेंटों के चंगुल में फंस जाते हैं।

अमेरिका में हथकड़ी पहनाकर वापसी पर भारत की आपत्ति

भारतीयों को डिपोर्ट करने में अमेरिका तीसरे नंबर पर है, जिसने 3,806 नागरिकों को वापस भेजा। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने वाले भारतीयों को अक्सर 'हथकड़ी' पहनाकर भेजा जाता है। मंत्रालय ने संसद को बताया कि वे अमेरिकी सरकार से इन लोगों के मानवीय पहलुओं पर ध्यान देने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि उनकी गरिमा बनी रहे।

नवी मुंबई मेयर चुनाव में शिंदे गुट को बड़ा झटका

महापौर-डिप्टी मेयर पद पर बीजेपी का कब्जा

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई नगर निगम महापौर चुनाव में बीजेपी की सुजाता पाटिल निर्विरोध जीत हासिल कर चुकी हैं। वहीं, बीजेपी के ही दशरथ भगत उप महापौर चुने गए हैं। पहले शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से सरोज पाटिल ने भी नामांकन किया था। हालांकि, गुरुवार को उन्होंने नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद बीजेपी उम्मीदवार की जीत तय हुई। ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पीठासीन अधिकारी रणजीत यादव ने इस निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की। इस चुनाव की सबसे खास बात यह रही कि महापौर और उपमहापौर, दोनों ही पदों पर चयन निर्विरोध संपन्न हुआ। महापौर पद के लिए सरोज रोहिदास पाटिल और उपमहापौर पद के लिए आकाश बालकृष्ण मढवी ने अपने नामांकन वापस ले लिए, जिससे सुजाता पाटिल और दशरथ भगत के निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया।

बीजेपी की सुजाता पाटिल बनीं नवी मुंबई की महापौर, दशरथ भगत उप महापौर चुने गए

महिला सुरक्षा और युवाओं को अवसर

महापौर ने अपने संबोधन में सामाजिक न्याय और सुरक्षा पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना, युवाओं को नए अवसर प्रदान करना और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल होगा। उन्होंने अपनी नियुक्ति को महिलाओं की सामाजिक प्रगति का प्रतीक बताते हुए संकल्प लिया कि वे नवी मुंबई के सर्वांगीण और गतिशील विकास के लिए संवेदनशीलता और पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगी।

स्वच्छता और स्वास्थ्य महापौर की प्राथमिकता

नवनिर्वाचित महापौर सुजाता सुरज पाटिल ने अपने कार्यकाल के लिए पांच प्रमुख स्तंभों—स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और यातायात नियोजन—को अपनी प्राथमिकता बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नवी मुंबई को रहने योग्य बेहतरीन शहर बनाने के लिए वे वैज्ञानिक यातायात नियोजन और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देंगी। पालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और प्रशासन के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

दिवंगत नेता अजित पवार को दी गई श्रद्धांजलि

पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सदन की पहली औपचारिक कार्यवाही के रूप में, नवनिर्वाचित महापौर और उपमहापौर सहित सभी सदस्यों ने महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री स्व. अजित पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन में दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को याद किया गया। इसके पश्चात ही नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपना मनोगत व्यक्त किया और सदन के सभी सदस्यों का आभार माना।

तेज़ विकास के लिए सामूहिक संकल्प

उपमहापौर दशरथ भगत ने अपने संबोधन में नवी मुंबई के तेज़ विकास की गति को बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई देशभर में अपनी स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के लिए प्रसिद्ध है और वे सभी को साथ लेकर पूरी ईमानदारी और परिश्रम से कार्य करेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद संजीव नाईक और पूर्व विधायक संदीप नाईक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने नवनिर्वाचित टीम को भविष्य की योजनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

नागला रिजर्व फॉरेस्ट में मिला तेंदुए का शव

सैटेलाइट कॉलर से की जा रही थी निगरानी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भाईंदर में पिछले दिनों चर्चा में रहे नर तेंदुए का अंत बेहद दुखद रहा। वन विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस तेंदुए का शव गुरुवार को ठाणे के नागला रिजर्व फॉरेस्ट में पाया गया। यह घटना वन विभाग के लिए एक बड़ा तकनीकी और भावनात्मक झटका है, क्योंकि इस तेंदुए की सुरक्षा और उसके व्यवहार के अध्ययन के लिए उस पर 'सैटेलाइट कॉलर' लगाया गया था। इस तेंदुए के साथ संघर्ष की शुरुआत 19 दिसंबर 2025 को हुई थी, जब इसने भाईंदर की एक घनी रिहायशी बस्ती में प्रवेश किया था। तेंदुए को बस्ती में देख स्थानीय लोगों में भारी दहशत फैल गई थी। वन विभाग की टीम ने एक चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर इसे सुरक्षित पकड़ा था। इसके बाद इसे स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाया गया, जहाँ इसे पूरी तरह फिट पाया गया। तेंदुए के प्राकृतिक आवास में व्यवहार को समझने के लिए वन विभाग ने एक विशेष वैज्ञानिक अध्ययन शुरू किया। इसके तहत तेंदुए के गले में एक 'सैटेलाइट-लिंक्ड रेडियो कॉलर' लगाया गया। 25 दिसंबर 2025 को इसे संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के नागला ब्लॉक में छोड़ दिया गया। इस तकनीक का उद्देश्य तेंदुए की गतिविधियों, शिकार के तरीके और उसके इलाके के विस्तार को रियल-टाइम में ट्रैक करना था। जंगल में छोड़े जाने के बाद शुरुआती संकेत काफी उत्साहजनक थे। सैटेलाइट डेटा के अनुसार, तेंदुआ सासुनावघर सेक्टर में सक्रिय था। 31 दिसंबर को उसे सफलतापूर्वक शिकार करते हुए भी देखा गया, जिससे विशेषज्ञों को विश्वास हो गया था कि वह जंगल में पूरी तरह

ढल चुका है। 5 जनवरी को जंगल के कैमरा ट्रैप में भी वह काफी फुर्तीला और सेहतमंद नजर आया था, जिससे उसकी मौत का अंदेशा किसी को नहीं था।

शिकार की आशंका खारिज, पोस्टमार्टम का इंतजार

2 फरवरी को अचानक मॉनिटरिंग के दौरान असामान्य संकेत मिले, जिसके बाद तलाशी अभियान में तेंदुए का शव बरामद हुआ। शुरुआती जांच में वन विभाग ने शिकार (Poaching) की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है, क्योंकि तेंदुए के शरीर के सभी कीमती अंग (नाखून, दांत और खाल) सुरक्षित पाए गए हैं। शव को विस्तृत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ताकि मौत की गुत्थी सुलझ सके।

6 फरवरी को दो घंटे जलापूर्ति बाधित

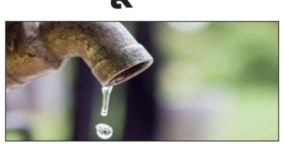

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा के जलापूर्ति विभाग के अनुसार 6 फरवरी 2026 को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक म.रा.वि. कंपनी की 220 केवी (पड़गा–भिवंडी) मुख्य विद्युत लाइन बंद रहने से एमआईडीसी जांभूळ–अंबरनाथ जल शुद्धिकरण केंद्र की पंपिंग ठप रहेगी, जिससे बिजली बहाल होने के बाद भी जलापूर्ति कम दबाव पर होगी; इस दौरान पाले टैपिंग और फॉरेस्ट नाका (अंबरनाथ) टैपिंग से सीमित जलापूर्ति की जाएगी, इसलिए शहर में पानी की किल्लत रहने की संभावना है और जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का उपयोग संभलकर और कम मात्रा में करें।

कपड़े की दुकान से लोअर पैंट लेकर युवक फरार

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

कैम्प-3 ओ.टी. परिसर स्थित 'मैंझो स्टाइल' नामक कपड़े की दुकान में एक युवक दुकानदार को बातों में उलझाकर दो लोअर पैंट लेकर फरार हो गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अन्य स्थानों पर भी चोरी

मिली जानकारी के अनुसार, स्टेशन रोड ओ.टी. सेक्शन पर दीपक चौहान की कपड़े की दुकान है। 4 फरवरी की रात करीब 8 बजे, जब दुकानदार अकेला था, तभी मास्क लगाए एक युवक एक्टिवा से पहुंचा और कपड़े दिखाने को कहा। उसने पत्नी के बाहर खड़े होने का बहाना बनाकर दो लोअर लिए और मौके से फरार हो गया। मध्यवर्ती पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इसी आरोपी द्वारा अन्य स्थानों पर भी चोरी और ठगी की घटनाएं की गई हैं, जिनके सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं।

नाबालिग किशोरी लापता, अपहरण का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर और कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्रों से अपराध की दो बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी के लापता होने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। 4 फरवरी 2026 की दोपहर को किशोरी यह कहकर घर से निकली थी कि वह मेडिकल स्टोर से दवा लेने जा रही है, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता सव्यु बब्बु खान

(55) ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की उम्र 15 वर्ष 8 माह है और वह रजा मुस्तफा मस्जिद, गायत्रीनगर इलाके की रहने वाली है। परिजनों को अंदेशा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने किशोरी को बहला-फुसलाकर या लालच देकर उसका अपहरण कर लिया है।

शांतिनगर पुलिस ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

शांतिनगर पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध क्रमांक 11/2026 के तहत बीएनएस (BNS) की धारा 137(2) के अनुसार केस दर्ज कर लिया है। पुलिस उपनिरीक्षक उत्तम ओमासे मामले की कमान संभाल रहे हैं। पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है ताकि लापता नाबालिग को सुरक्षित बरामद किया जा सके।

कोनगांव में शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण

एक अन्य कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र की है, जहाँ एक 23 वर्षीय महिला के साथ धोखाधड़ी और शोषण का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी यज्ञेश उत्तम माली ने उसे शादी का झांसा दिया और दिसंबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच विभिन्न लॉज और स्थानों पर ले जाकर बार-बार उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए। विश्वास में लेकर आरोपी ने पीड़िता के साथ विश्वासघात किया और शादी के वादे से मुकर गया।

अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने का संगीन आरोप

पीड़िता ने अपनी शिकायत में एक और खौफनाक खुलासा किया है। उसका आरोप है कि आरोपी ने शारीरिक शोषण के दौरान चुपके से उसका नग्न वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया था। बाद में उसने इस वीडियो का इस्तेमाल पीड़िता को ब्लैकमेल करने के लिए किया और अंततः उस अश्लील वीडियो को व्हाट्सऐप पर वायरल कर दिया।

आरोपी की तलाश में जुटी कोनगांव पुलिस

कोनगांव पुलिस ने आरोपी यज्ञेश माली के खिलाफ अपराध क्रमांक 33/2026 के तहत बीएनएस की धारा 69, 64(2)(एम), 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस उपनिरीक्षक अनिल धुमसे इस संवेदनशील मामले की जांच कर रहे हैं। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए तकनीकी सबूतों का सहारा ले रही है।

शराब को लेकर पति-पत्नी में विवाद, महिला से मारपीट

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर में शराब को लेकर हुआ घरेलू विवाद हिंसक हो गया। पत्नी द्वारा पति को शराब पीने से मना करना उसे भारी पड़ गया। आरोप है कि नशे में धुत पति ने गुस्से में आकर पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 4 फरवरी की सुबह करीब 9.30 बजे धामणकर नाका स्थित सचिन अपार्टमेंट, पठारे कंपाउंड में हुई। शिकायतकर्ता महिला घर पर मौजूद थी, तभी उसका पति अतिश रघुवीर चौहान (32) शराब पीकर घर पहुंचा। पत्नी ने जब उसे दोबारा शराब पीने से मना किया तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान पति ने गाली-गलौज करते हुए पत्नी के बाल पकड़कर उसे जमीन पर गिरा दिया और सिर को फर्श पर पटक दिया। इस मारपीट में महिला के सिर, गर्दन और हाथ में चोटें आईं, जबकि दाहिने हाथ की एक उंगली में गंभीर चोट लगी है।

आरोपी फरार, पुलिस जांच में जुटी

घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। मामले की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक सुरेश ढोले कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के आवास पर पहुंचे शरद पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे जिले स्थित सहयोग आवास पर गुरुवार शाम राकांपा के वरिष्ठ नेता शरद पवार सहित पूरा पवार परिवार उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सांत्वना देने पहुंचा। इस अवसर पर सुनेत्रा पवार के दोनों बेटे पार्थ पवार और जय पवार भी मौजूद रहे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पुणे और बारामती क्षेत्र से पवार समर्थक भी बड़ी संख्या में सहयोग आवास पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि शरद पवार ने इससे पहले पत्रकारों से अनौपचारिक

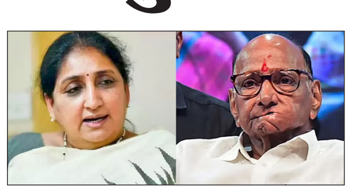

बातचीत में कहा था कि सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री बनने से वे खुश हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार के निधन के कारण वे इस बार बजट सत्र में उपस्थित नहीं रह सके, जबकि अब तक वे हर बार बजट कार्यवाही में शामिल होते रहे हैं।

10 फरवरी को विभागों का कार्यभार ग्रहण करने की संभावना

पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन को 9 फरवरी को 13 दिन पूरे होंगे, जिसके बाद 10 फरवरी को सुनेत्रा पवार द्वारा मंत्रालय में मंत्री पद का कार्यभार ग्रहण किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

नाम परिवर्तन की मांग को लेकर चेतावनी

भाईंदर। मीरा-भाईंदर के पेणकरपाड़ा गांव के ग्रामीणों ने मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने की मांग को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और एमएमआरडीए को पत्र भेजा है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांग पर समय रहते निर्णय नहीं लिया गया तो वे असंतोष आंदोलन शुरू करेंगे। उनका कहना है कि यह मांग क्षेत्र की पहचान और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी हुई है।

ग्रामीण भावेश पाटिल ने बताया कि मीरा-भाईंदर के 19 गांवों में शामिल पेणकरपाड़ा गांव में सौ वर्षों से भी अधिक समय से विभिन्न समुदायों के लोग निवास

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और एमएमआरडीए को भेजा पत्र

कर रहे हैं। इस गांव का अपना ऐतिहासिक महत्व और विशिष्ट पहचान है, जिसकी अनदेखी से ग्रामीणों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'पांडुरंग वाडी' नाम से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मेट्रो स्टेशन का नाम उस स्थान के अनुरूप होना चाहिए जहां वह वास्तव में स्थित है, इसलिए स्टेशन का नाम तुरंत 'पेणकरपाड़ा गांव' किया जाए।

मेट्रो-9(अ) स्टेशन के नाम पर आपत्ति

ग्रामीणों ने मांग की है कि मेट्रो लाइन-9(अ) दहिसर–मीरा भाईंदर मार्ग पर नवनिर्मित पहले मेट्रो स्टेशन का नाम 'पांडुरंग वाडी' के बजाय 'पेणकरपाड़ा गांव' किया जाए। उनका तर्क है कि पांडुरंग वाडी क्षेत्र स्टेशन से 800 मीटर से अधिक दूर है, जबकि पेणकरपाड़ा गांव स्टेशन से सटा हुआ है। ऐसे में वर्तमान नाम भौगोलिक रूप से न्यायसंगत नहीं है और इससे यात्रियों को भ्रम हो सकता है। इसलिए मेट्रो सेवाएं शुरू होने से पहले नाम परिवर्तन की मांग की गई है।

बाइक चोरी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार, 17 मोटरसाइकिलें भी बरामद

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई क्राइम ब्रांच को शहर में सक्रिय एक शातिर बाइक चोर को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने न केवल आरोपी को गिरफ्तार किया, बल्कि उसके कब्जे से चोरी की गई 17 मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। इन बरामद वाहनों की कुल कीमत लगभग 5.82 लाख रुपए आंकी गई है।

पकड़े गए आरोपी की पहचान 58 वर्षीय नासिर सदान खान के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि नासिर कोई मामूली चोर नहीं, बल्कि एक आदतन अपराधी है जिस पर पहले से ही वाहन चोरी के 92 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस कमिश्नर मिलिंद भारम्बे के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी फुटेज की मदद से नासिर को वाशी इलाके से दबोचा। जांच में सामने आया कि नासिर पूर्व

में एक गैरेज में काम करता था, जहाँ उसने वाहनों की तकनीकी बारीकियां सीखी थीं। इसी हुनर का इस्तेमाल उसने अपराध के लिए किया। वह चोरी की गई बाइकों के इंजन और चेसिस नंबर को विशेष औजारों से घिसकर इस तरह मिटा देता था कि पुलिस या वाहन मालिक के लिए उनकी पहचान करना नामुमकिन हो जाए। पुलिस ने उसके पास से नंबर मिटाने वाले उपकरण भी जब्त किए हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम को सराहना

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सुनील शिंदे और सतीश भोसले के नेतृत्व वाली टीम द्वारा की गई इस त्वरित कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में 'एंटी-थेफ्ट' अलार्म और जीपीएस ट्रैकर जैसे सुरक्षा उपकरण लगवाएं ताकि चोरी की घटनाओं को रोका जा सके।

14 मामलों का हुआ सफल खुलासा

नासिर खान की गिरफ्तारी से नवी मुंबई के विभिन्न पुलिस स्टेशनों, विशेषकर खारघर इलाके में दर्ज चोरी के 14 मामले सुलझ गए हैं। बरामद 17 मोटरसाइकिलों में से 14 के असली मालिकों का पता लगा लिया गया है, जबकि शेष 3 वाहनों के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। आरोपी इतनी चालाकी से काम करता था कि वह चोरी के बाद वाहनों को बाजार में बेचने के लिए उन्हें पूरी तरह से 'क्लीन' कर देता था। असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर (ACP) प्रेरणा कट्टे ने बताया कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और सबूतों को नष्ट करने की उसकी प्रवृत्ति को देखते हुए, उस पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 238 (सबूत मिटाना) और 346 (चोरी) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह में कुछ अन्य लोग भी शामिल थे जो इन चोरी के वाहनों को बेचने में मदद करते थे।

राष्ट्रवादी के विलय की चर्चा से संजय राउत घबराए : बन

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

भाजपा के मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने गुरुवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत और उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोला। भाजपा नेता नवनाथ बन ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय पर राजनीति करने वाले संजय राउत अब अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। बन ने कहा कि राउत पहले विलय के मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे थे, लेकिन अब इसे दोनों दलों का 'आंतरिक मामला' बता रहे हैं। भाजपा का मानना है कि शरद पवार के एनडीए में शामिल होने की संभावना से राउत डरे हुए हैं, इसलिए उनके सुर बदल गए हैं।

राष्ट्रवादी के विलय पर सुनेत्रा पवार का निर्णय सर्वोपरि

नवनाथ बन ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के भविष्य और दोनों गुटों के विलय का निर्णय पार्टी की प्रमुख सुनेत्रा पवार और उनके नेता ही लेंगे। उन्होंने दोहराया कि भाजपा का इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है और सुनेत्रा पवार जो भी फैसला लेंगी, भाजपा उसका पहले दिन से ही समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने उबाठा गुट को नसीहत दी कि जो अपने भाइयों को साथ नहीं रख पाए, उन्हें दूसरों के विलय में दखल नहीं देना चाहिए। भाजपा ने दावा किया कि नगरपालिका चुनावों के नतीजों के बाद महाविकास आघाड़ी (MVA) का अस्तित्व अब लगभग समाप्त हो चुका है। बन ने तंज कसते हुए कहा कि आज यह समझना मुश्किल है कि मविआ में वास्तव में कौन बचा है। विधानसभा चुनाव में हार और अब स्थानीय निकाय चुनावों के बाद मविआ केवल नाममात्र की रह गई है।

देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के 'विश्वास' का जिक्र

संजय राउत द्वारा उठाए गए 'विश्वास' के सवाल पर पलटवार करते हुए बन ने कहा कि महाराष्ट्र ने देखा है कि अजित पवार को देवेंद्र फडणवीस पर कितना भरोसा था। उन्होंने सुबह के शपथ ग्रहण और बाद में दोबारा फडणवीस के साथ आने का उदाहरण देते हुए कहा कि अजित पवार ने शरद पवार और कांग्रेस को छोड़कर देवेंद्रजी पर विश्वास जताया था। उन्होंने राउत को 'विश्वास' शब्द पर बोलने के लिए अपात्र बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवन भर किसी पर भरोसा नहीं किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस को बताया 'कानून का रक्षक'

संजय राउत द्वारा मुख्यमंत्री की आलोचना किए जाने पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई। नवनाथ बन ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस 11 करोड़ जनता के आशीर्वाद से महाराष्ट्र में कानून का राज स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने फडणवीस को 'कानून का रक्षक और अपराधियों का भक्षक' बताते हुए कहा कि वे राउत जैसे 'भ्रष्ट और कानून विरोधी' लोगों को उनकी सही जगह दिखा रहे हैं। उन्होंने उद्धव ठाकरे और राउत पर वर्षों तक महाराष्ट्र को लूटने का आरोप भी लगाया। आगामी बीएमसी चुनावों और महापौर पद को लेकर भाजपा ने बड़ा दावा किया। बन ने कहा कि जिस दिन मुंबई में महायुति का महापौर बैठेगा, वह शहर के लिए एक 'स्वर्ण क्षण' होगा, क्योंकि यह पिछले 25 वर्षों से हो रही लूट के अंत की शुरुआत होगी।

अबू सलेम की पैरोल अर्जी हाई कोर्ट से खारिज

भाई के जनाजे के लिए मांगी थी पैरोल

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को एक बड़ा कानूनी झटका देते हुए उसकी पैरोल याचिका को नामंजूर कर दिया। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि सलेम को वर्तमान परिस्थितियों में रिहा नहीं किया जा सकता है। सलेम ने अपने भाई अबू हकीम अंसारी के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए उत्तर प्रदेश स्थित अपने पैतृक गांव जाने की अनुमति मांगी थी।

अदालत द्वारा याचिका खारिज किए जाने का मुख्य कारण पुलिस सुरक्षा शुल्क (Security Fee) का भुगतान न करना रहा। सलेम के वकील ने अदालत में दलील दी कि उनका मुवक्किल जेल अधिकारियों द्वारा निर्धारित भारी सुरक्षा शुल्क चुकाने में असमर्थ है। चूंकि सलेम एक हाई-प्रोफाइल और खतरनाक अपराधी है, इसलिए उसे जेल से बाहर ले जाने के लिए कड़े सुरक्षा इंतज़ामों की आवश्यकता होती है, जिसका खर्च नियमानुसार कैदी को ही उठाना पड़ता है।

'सौदेबाजी नहीं कर सकते'

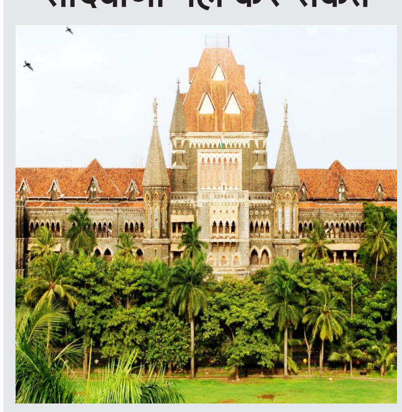

सुनवाई के दौरान सलेम के वकील ने कहा था कि सलेम सुरक्षा शुल्क के रूप में 1 लाख रुपये से अधिक का भुगतान नहीं कर पाएगा। इस पर पीठ ने मौखिक रूप से कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि एक अपराधी अदालत के साथ सुरक्षा शुल्क को लेकर ‘सौदेबाजी’ (Bargaining) नहीं कर सकता। यदि उसे पैरोल पर बाहर जाना है, तो प्रशासन द्वारा तय किए गए अनिवार्य और कानूनी शुल्क का भुगतान हर हाल में करना ही होगा।

1993 धमाकों का दोषी काट रहा है 25 साल की सजा

अबू सलेम 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में अपनी भूमिका के लिए वर्तमान में 25 साल की जेल की सजा काट रहा है। पुर्तगाल से प्रत्यर्पण कर भारत लाए जाने के बाद से ही वह कड़ी सुरक्षा वाली जेल में बंद है। प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के कारण उसे मृत्युदंड नहीं दिया गया था।

कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए आवासीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता करेंगे मार्गदर्शन

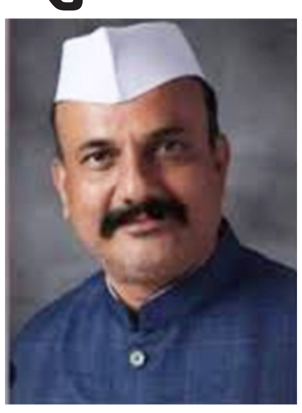

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में हाल ही में संपन्न हुए नगर पालिका और नगर पंचायत चुनावों में निर्वाचित कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए आवासीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के पहले चरण का आयोजन 27, 28 फरवरी और 1 मार्च को चिपलून में किया जाएगा, जिसमें कोंकण विभाग के उम्मीदवार भाग लेंगे।

इस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उम्मीदवारों को स्थानीय स्वशासन से जुड़े मुद्दों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। कांग्रेस पार्टी के प्रशिक्षण विभाग के अध्यक्ष आशुतोष शिर्के और उनकी टीम द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिविर में छोटे शहरों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की नागरिक समस्याएं, आम लोगों को होने वाली कठिनाइयां, उनके समाधान, विकास कार्यों की गुणवत्ता, तथा नागरिक मुद्दों को लेकर प्रशासन के समक्ष प्रभावी फॉलो-अप कैसे किया जाए, जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

अन्य विभागों के लिए भी होंगे प्रशिक्षण शिविर

स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में कांग्रेस के प्रतिनिधि अधिक सक्षम, संवेदनशील और विकासोन्मुख बनें, इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। आगे के चरणों में अन्य विभागों के उम्मीदवारों के लिए भी ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष (संगठन एवं प्रशासन) एडवोकेट गणेश पाटील ने दी।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग के मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। गुरुवार को पुलिस ने इस साजिश में शामिल पांचवें आरोपी को पुणे से गिरफ्तार किया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस नए आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। इस मामले में पुलिस अब तक स्वप्निल सकट, सिद्धार्थ येनपुरे, समर्थ पोमाजी और आदित्य गायकी को पहले ही हिरासत में ले चुकी है। पुलिस जांच के अनुसार, यह घटना रविवार रात को हुई थी जब अज्ञात हमलावरों ने रोहित शेट्टी के घर पर छह राउंड फायरिंग की। गनीमत रही कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन एक गोली घर में स्थित जिम के शीशे पर जा लगी। जांच अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में एक उन्नत देसी हथियार का इस्तेमाल किया गया था।

बिश्नोई गैंग से जुड़ रहे हैं हमले के तार

अब तक की छानबीन में इस हमले के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ होने के पुख्ता संकेत मिले हैं। पुलिस को जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पूर्व राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपियों (जैसे प्रवीण लोणकर और अन्य) से परिचित हैं। घटना के बाद शुभम लोणकर नाम के व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर बिश्नोई गैंग की ओर से हमले की जिम्मेदारी ली थी, हालांकि बाद में वह पोस्ट और अकाउंट दोनों डिलीट कर दिए गए। मुंबई क्राइम ब्रांच को घटनास्थल और उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज से महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। फुटेज में शूटर को शेट्टी के घर पर फायरिंग करने के बाद भागते हुए देखा गया है। संदिग्ध की तस्वीर विले पार्ले रेलवे स्टेशन के पास भी कैद हुई है।

दुकान में लगी आग, एक घंटे में काबू

मुंबई। अंधेरी पूर्व स्थित अघाड़ी नगर कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक दुकान में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर दुकान पूरी तरह जल गई, जबकि पास में खड़ी एक गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अनुसार, आग सुबह करीब 11.37 बजे अंबिका टावर्स के सामने, पंप हाउस, जीजामाता मार्ग स्थित दुकान में लगी। सूचना मिलते ही मुंबई दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और दोपहर 12.16 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, समय पर आग पर नियंत्रण पा लेने से बड़ा नुकसान टल गया और आसपास की इमारतों को सुरक्षित रखा जा सका।

15 सर्वदलीय विधायक 15 से 22 फरवरी तक लंदन दौरे पर

मुंबई। महाराष्ट्र के 15 सर्वदलीय विधायक 15 से 22 फरवरी तक लंदन के स्टडी टूर पर जाएंगे। यह जानकारी महाराष्ट्र विधानभवन सूत्रों ने गुरुवार को दी। विधान भवन के अनुसार महाराष्ट्र के 15 सर्वदलीय विधायक विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के नेतृत्व में 15 से 22 फरवरी तक लंदन का दौरा करेंगे। इस दौरे का मुख्य मकसद लंदन में अर्बन मैनेजमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर और एडमिनिस्ट्रेटिव कामकाज की स्टडी करना है। वे नागरिकों को दी जाने वाली अलग-अलग सुविधाओं की भी स्टडी करेंगे। इसमें अर्बन मैनेजमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विसेज़ के कामकाज का रिव्यू किया जाएगा। इस दौरे में अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के अलावा बाबासाहब देशमुख, परिणय फुके, विक्रम पाचपुते, नमिता मुंदड़ा, निरंजन डावखरे, स्नेहा दुबे, विक्रांत पाटिल, अमित गोरखे, विक्रम काले, विश्वजीत कदम, वरुण सरदेसाई, मनीषा कायंडे, सुमित वानखेड़े और योगेश टिलेकर शामिल हैं।

बेलासिस फ्लाईओवर तैयार, यातायात के लिए जल्द खुलेगा

मुंबई। मुंबई की यातायात व्यवस्था को बड़ी राहत देने वाला बेलासिस फ्लाईओवर बनकर तैयार हो गया है। मुंबई सेंट्रल स्थित इस फ्लाईओवर का निर्माण बीएमसी ने पूरा कर लिया है और अब केवल ट्रैफिक पुलिस की एनओसी मिलना बाकी है। सभी औपचारिक मंजूरियां मिलते ही, संभवतः 15 फरवरी तक, इस फ्लाईओवर को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। जहांगीर बोमन बेहरम रोड पर स्थित यह फ्लाईओवर मुंबई सेंट्रल, नागपाड़ा और ताडदेव के पूर्व-पश्चिम इलाकों को जोड़ने वाला अहम संपर्क मार्ग होगा।

बीएमसी के अतिरिक्त नगर आयुक्त (प्रोजेक्ट) अभिजीत बांगर ने परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। बेलासिस फ्लाईओवर का निर्माण मात्र 15 महीनों में पूरा कर लिया गया, जबकि इसकी डेडलाइन अप्रैल 2026 तय की गई थी। यह फ्लाईओवर 1893 में बने पुराने बेलासिस ब्रिज की जगह तैयार किया गया है, जिसे असुरक्षित घोषित कर दिया गया था। बीएमसी ने 1 अक्टूबर 2024 को इस पुल के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू किया था और तय समय से चार महीने पहले ही इसे पूरा कर लिया गया। बीएमसी के अनुसार फ्लाईओवर को स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी, सेफ्टी सर्टिफिकेट और लोड टेस्ट क्लीयरेंस मिल चुका है। साउंड बैरियर भी लगाए जा चुके हैं। ट्रैफिक पुलिस से हरी झंडी मिलते ही इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके चालू होने से जहांगीर बोमन बेहरम रोड, दादासाहेब भडकमकर रोड, पठ्ठे बापूराव रोड और महालक्ष्मी स्तनक पुल क्षेत्र में यातायात जाम में काफी कमी आने की उम्मीद है।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
निविदा सूचना सं. बीएसएल.एन.एसएनटी.37.2025-26 दिनांक 03.02.2026 (खुली ई-निविदा)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजिटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई-निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** भुसावल मंडल के मनमाड-अंकाई खंड में बीपीएसी और दौगुनी दूरी वाले सिग्नल का प्रावधान करने का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 2,74,89,743.79(दो करोड़ चौहत्तर लाख नोवासी हजार सात सौ तैंतालीस रुपये एवं उनियासी पैसे मात्र), **बयाना राशी :** ₹ 2,87,500.00, **निविदा फार्म/बुकलेट की किमत :** नहीं, **कार्य पूरा करने का समय :** 9 माह एलओए देने के बाद, **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि :** 03.02.2026, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 27.02.2026 के 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने की तिथि और समयः** 27.02.2026 के 15.30 बजे (यदि संभव हो तो), **वेबसाइट का विवरण जहां से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते हे : www.ireps.gov.in** EXP
रेलमदद हेल्पलाईन 139

पश्चिम रेलवे
आवेदन आमंत्रित करने हेतु सूचना
मुंबई डिवीजन, पश्चिम रेलवे में यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) को ऑथराइज़ करने के लिए एप्लीकेशन मंगाए गए हैं
नंबर C550/17/YTSK/जनवरी-2026 तारीखः 30.01.2026
यह आवेदन मंडलीय रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल द्वारा, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से ऐसे लोगों से इंग्लिश/हिंदी में सीलबंद एप्लीकेशन मंगाते हैं, जिनकी उम्र 18 साल पूरी हो चुकी है और जो रेलवे द्वारा नियुक्त ऑथराइज़्ड टिकटिंग एजेंट हैं, जिसमें JTBS, RTSA, RTA और IRCTC द्वारा नियुक्त एजेंट शामिल हैं और जिन्हें दो साल का अनुभव है। यह एप्लीकेशन मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में कंप्यूटराइज्ड पैसेंजर रिज़र्वेशन सिस्टम (PRS) कम अनरिज़र्व्ड टिकट सिस्टम (UTS) टर्मिनल (जिन्हें "यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)" कहा जाता है) बनाने और चलाने के लिए है। कंप्यूटराइज्ड रिज़र्व/अनरिज़र्व टिकटिंग सिस्टम के ज़रिए रिज़र्व/अनरिज़र्व रेल टिकट जारी करना। इच्छुक आवेदक समय-समय पर बताई गई शर्तों को पूरा करते हैं; तीन साल के लिए, एप्लीकेशन डॉक्यूमेंट के साथ ज़रूरी एप्लीकेशन फीस 1,000/- जमा करनी होगी, जिसके बिना एप्लीकेशन तुरंत रिजेक्ट कर दी जाएगी। एप्लीकेशन फॉर्म रेलवे की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इंटरनेट से डाउनलोड किए गए एप्लीकेशन डॉक्यूमेंट की कीमत 1000/- के डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी, जो "चीफ कैशियर, वेस्टर्न रेलवे, चर्चगेट" के नाम पर मुंबई में देय होगा, एप्लीकेशन डॉक्यूमेंट के साथ, जिसके बिना एप्लीकेशन तुरंत रिजेक्ट कर दी जाएगी।
विस्तृत नियम और शर्तेंवाला गैर हस्तांतरणीय आवेदन दस्तावेज सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल के ऑफिस से भी खरीदा जा सकता है, जैसा कि बताया गया है, एप्लीकेशन फॉर्म की कीमत के तौर पर 1,000/- का पेमेंट करके, वेस्टर्न रेलवे, मुंबई डिविजन के किसी भी स्टेशन मैनेजर के ऑफिस से और ओरिजिनल मनी रसीद दिखाकर।
नोटः- अगर टेंडर फॉर्म रजिस्टर्ड पोस्ट से चाहिए तो हर टेंडर फॉर्म के लिए 500/- एक्स्ट्रा चार्ज लगेगा। इसके लिए एप्लीकेशन कम से कम 15 दिन पहले देना होगा।
मुंबई डिवीज़न में **"यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)" खोलने के लिए ऑथराइज़ेशन के लिए एप्लीकेशन मंगाए गए हैं, जिन्हें एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के हिसाब से ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ एक लिफ़ाफ़े में जमा करना होगा। लिफ़ाफ़े पर** "आवेदक का नाम और पता, पिनकोड के साथ स्टेशन के पास यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) के लिए एप्लीकेशन फ़ॉर्म" लिखा होना चाहिए। एप्लीकेशन नीचे दी गई टाइम लिमिट के अंदर सीनियर डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर, ग्राउंड फ़्लोर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, DRM ऑफिस, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 के ऑफिस में पहुँच जाना चाहिए।

एप्लीकेशन फॉर्म की बिक्री बंद होने की तारीख और समय	02.03.2026 को 12:00 बजे तक
एप्लीकेशन फॉर्म मिलने की तारीख और समय	02.03.2026 को 15:00 बजे तक
एप्लीकेशन फॉर्म खुलने की तारीख और समय	02.03.2026 को 15:30 बजे तक

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
1075
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X-com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विविध कार्य
मंडल रेल प्रबंधक(कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निमनलिखित कार्यों के लिये ई-निविदायें आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.: 01-2026-SrDENC, कार्य का नामः** (1) Provision of widening of width of PF-02 at Latur Station. (2) Provision of approach road in railway colonies under ADEN/PVR sub-division., **अनुमानित लागत रु.:** ₹ 75413262.26, **बयाना रक्कमः** ₹ 527100.00, **समापन की अवधिः** 6 महीने, **अनुरक्षण की अवधिः** 12 महीने, **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समयः** 23.02.2026 को 15.00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समयः** 23.02.2026 को 15.30 बजे। निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे। EXP-05
टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युतीय कार्य
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/क.वि./नि/2025/26R । कार्य का नामः** टिकेकरवाडी में प्रसातवित कोचिंग रखरखाव डिपो (चरण-1) के संबंध में विद्युत टीआरडी का कार्य।(पुनर्निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 5,62,96,465.20, **बोली प्रतिभूतिः** ₹ 4,31,500/-, **कार्य पुरा करने की अवधीः** 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दि 02.03.2026 को 15.00 बजे। EXP-06
टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य
उप मुख्य अभियंता (कंस्ट्रक्शन) I, पश्चिम रेलवे, इंदौर (MP) **निविदा संख्या DADN-SWD-RKGC-15 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नामः** यार्ड, ब्रिज अप्रोच वगैरह सहित BG/MG लाइन बनाने में मिट्टी का काम और किनारे/कटिंग में ब्लैंकेटिंग, रेलवे के अप्रूव्ड डिज़ाइन और ड्राइंग के अनुसार ब्रिज का काम (माइनर फाउंडेशन, सब-स्ट्रक्चर और सुपर-स्ट्रक्चर), रिटेनिंग/बाउंड्री/टो वॉल/डायवर्जन ड्रेन, सर्कुलेटिंग एरिया, RCC रोड, RCC ओवर हेड टैंक और दूसरे अलग-अलग काम, बिल्डिंग बनाना, कवरिंग शेड, पैसेंजर/गुड्स प्लेटफॉर्म, पैसेंजर सुविधाएं, फुट ओवर ब्रिज, यार्ड ड्रेन, डॉ. अंबेडकर नगर और पातालपानी स्टेशन पर सर्विस बिल्डिंग स्ट्रक्चर बनाना।पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन में **डॉ. अंबेडकर नगर (महू) सनावद सेक्शन** के गेज कन्वर्जन के संबंध में डॉ. अंबेडकर नगर पातालपानी स्टेशन के बीच मशीन से क्रश्ड स्टोन बैलास्ट की सप्लाई और बिछाना, मेन लाइन, लूप लाइन और पॉइंट्स और क्रॉसिंग वगैरह के लिए BG/MG ट्रैक बिछाना और जोड़ना, P. Way मटीरियल का ट्रांसपोर्टेशन, रेल की वेल्डिंग, और दूसरे आकस्मिक विविध काम वगैरह। **लगभग लागतः 38,22,43,102.21,EMD: 20,61,200/-टेंडर जमा करने की तारीख और समयः 27.02.2026 को 15:00 बजे तक। टेंडर खुलने की तारीखः 27.02.2026 को 15:30 बजे।** टेंडर की पूरी जानकारी, एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया सहित, ई-टेंडर पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
1076
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
वृक्ष प्राधिकरण
– सार्वजनिक सूचना –
महाराष्ट्र (नगरीय क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण व संवर्धन अधिनियम, 1975 (जनवरी 2018 में संशोधित) की धारा 8(3)(क) के अंतर्गत, परिमंडल 5 के अंतर्गत एम/प विभाग के कुल 03 प्रस्ताव, माननीय महानगरपालिका आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) / वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) / महाराष्ट्र राज्य वृक्ष प्राधिकरण की स्वीकृति हेतु प्राप्त हुए हैं।
उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत प्रभावित वृक्षों को काटने / पुनःरोपण से संबंधित विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट **https://portal.mcgm.gov.in** पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग एवं खाते खातावार सूचना पुस्तिका उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण दस्तावेज़ **119** सार्वजनिक सूचना – 7 दिनइस अनुभाग में उपलब्ध है।
यदि उपरोक्त प्रस्तावों के संबंध में नागरिकों को कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत करने हों, तो इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर, निर्धारित प्रपत्र (Prescribed Format) में लिखित रूप से उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करना आवश्यक है।
साथ ही, नागरिक अपने आपत्ति / सुझाव निर्धारित प्रपत्र में **dysg.ta@mcgm.gov.in** इस ई-मेल पते पर भी भेज सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्तियों / सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा, कृपया इसकी नोंद लें। लिखित अथवा ई-मेल द्वारा आपत्ति / सुझाव प्रस्तुत करने के पश्चात, अत्यावश्यक होने पर, उनकी प्रति के साथ व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित रहा जा सकता है।उक्त आपत्तियों / सुझावों पर सुनवाई दिनांक 14/02/2026 को उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी का कार्यालय में दोपहर 4.30 से 5.00 बजे तक की जाएगी।
कार्यालय का पताः
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणिसंग्रहालय,
दूसरी मंज़िल, हम्बोल्ट पेंगुइन कक्ष,
संत सावता माली मार्ग, भायखला (पूर्व), मुंबई – 400027
दूरभाषः 23742162 ई-मेलः dysg.ta@mcgm.gov.in
हस्ता/-
पीआरओ / 2889 / विज्ञा./ 2025-26
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मध्य रेल
वार्षिक रखरखाव
खुली ई-निवीदा सूचना क्र. कुर्ला-आर एस-वर्क्स-2025-05A दि. 04.02.2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा.) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400 070, खुली ई-निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **ई-निविदा सूचना क्र. कुर्ला-आर एस-वर्क्स-2025-05A। कार्य का विवरणः** 3 फेज़ इ एम यू रेक में लगे डी-कैब एयर कंडीशनर (क्षमता 2.2/2/1.25 टी आर) के लिए 02 साल की अवधि के लिए कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (सी ए एम सी)। **कार्य की औसत लागतः** ₹ 58,41,451.99 (जीएसटी सहित), **बोली प्रतिभूतिः** ₹ 1,16,800, **वैधताः** 60 दिन। **समापनः** 24 महीने। **अनुदेशः** (1) उपरोक्त निविदा 26.02.2026 को 11.00 बंद हो जायेगी तथा उसके बाद 11.15 को खोली जाएगी। (2) भावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धीपत्र (यिद कोई हो तो) की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। (3) निविदाकर्ता केवल वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपरोक्त ई-निविदा में भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्यूअल रूप से प्रस्तुत किए जाने पर न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। (4) आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा) ई एम यू कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400 070 पर संपर्क कर सकते हैं। (5) औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी फर्म को ऊपर वर्णित बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट दी जाएगी। श्रम सहकारी समितियां ऊपर वर्णित उपरोक्त बोली सुरक्षा का केवल 50% ही जमा करेंगी। अधिक जानकारी के लिए जीसीसी कार्य 2022 या इसके नवीनतम संशोधन देखें। (6) यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 876

संपादकीय

जब जननेत्री बनी न्याय की योद्धा

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे आते हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए नजीर बन जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के कक्ष में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक वकील के लिबास में खड़े होना और देश के सबसे बड़े न्यायाधीशों के सामने जिरह करना, केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं बल्कि साहस का एक महाकाव्य था। यह दृश्य इस बात का गवाह बना कि एक सच्चा नेता वही है, जो अपनी माटी और अपने लोगों के हक के लिए किसी भी मंच पर, किसी भी भूमिका में खड़े होने का सामर्थ्य रखता है। ममता बनर्जी का कोर्ट रूम में बतौर वकील प्रवेश करना सबको चौंका देने वाला था। अमूमन सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग कानूनी लड़ाइयों के लिए महंगे वकीलों की फौज खड़ी करते हैं, लेकिन 'दीदी' ने खुद मोर्चा संभाला। उन्होंने अपनी विधिक शिक्षा को अपनी राजनीतिक शक्ति बनाया। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान उन्होंने जिस सधी हुई भाषा और कानूनी बारीकियों के साथ अपनी बात रखी, उसने वहां मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों को भी प्रभावित किया। उन्होंने साबित किया कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं, बल्कि रणभूमि में स्वयं ढाल बनकर उतरने का नाम है। ममता बनर्जी की दलीलें केवल भावनाओं पर आधारित नहीं थीं, बल्कि उनमें संवैधानिक तथ्यों का ठोस आधार था। उन्होंने सातवीं अनुसूची और संघीय ढांचे (Federal Structure) का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यदि राज्यों के अधिकारों का इसी तरह हनन होता रहा, तो लोकतंत्र का आधार ही डगमगा जाएगा। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के अति-सक्रियता और राज्य की शक्तियों के अतिक्रमण को जिस स्पष्टता से कोर्ट के सामने रखा, उसने न्यायाधीशों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कोर्ट उनकी इस दलील से पूरी तरह सहमत दिखा कि ₹कानून की प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए, न कि किसी के दबाव में।₹ सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के तर्कों को स्वीकार करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि राज्य सरकार की सहमति के बिना केंद्रीय एजेंसियां राज्य के अधिकार क्षेत्र में मनमर्जी से जांच नहीं कर सकतीं। राज्यपाल की भूमिका चुनी हुई सरकार को सहयोग देने की है, न कि समानांतर शासन चलाने की। 'पुलिस' और 'कानून-व्यवस्था' राज्य की संप्रभुता का हिस्सा हैं, जिसमें केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप असंवैधानिक है। इस फैसले के परिणाम केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहने वाले हैं। इसने पूरे देश के संघीय ढांचे को एक नई मजबूती दी है। अब कोई भी राज्य अपने अधिकारों के लिए इस फैसले को ढाल बना सकता है। यह निर्णय उन ताकतों के लिए एक कड़ा संदेश है जो राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर करना चाहती थीं। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी और राज्यों का आत्मविश्वास मजबूत होगा कि वे अपने दायरे में रहकर बिना किसी बाहरी दबाव के काम कर सकें। अंततः, ममता बनर्जी ने वह इतिहास रच दिया जिसे सदियों तक याद रखा जाएगा। वे देश की पहली ऐसी सक्रिय मुख्यमंत्री बनीं, जिन्होंने खुद सुप्रीम कोर्ट में जिरह की और जीत हासिल की। उन्होंने यह संदेश दिया कि नेता वही है जो हर लड़ाई में नेतृत्व करे, चाहे वह सड़क का आंदोलन हो या कोर्ट की गरिमापूर्ण जिरह। यह जीत केवल एक केस की जीत नहीं है; यह एक महिला के संकल्प, एक नेता की निर्भीकता और एक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की जीत है। ममता बनर्जी ने साबित कर दिया कि जब सत्य और साहस का मेल होता है, तो न्याय का मंदिर भी नतमस्तक होकर उसका मार्ग प्रशस्त करता है।

उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था : सुधार के संकेत और चुनौतियां

डॉक्टर बबलू सोनकर
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा
प्रयागराज

ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 1.7 लाख आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं की पहली कड़ी के रूप में काम कर रही हैं। राज्य में करीब 140 जिला स्तर के अस्पताल, लगभग 950 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 3500 से ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 29,000 से अधिक सब-सेंटर कार्यरत हैं। इसके साथ ही लगभग 28,000 से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और घनी आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। लगभग 25 करोड़ की आबादी वाले इस प्रदेश में लंबे समय तक स्वास्थ्य ढांचे की कमी, डॉक्टरों की अनुपलब्धता और सुविधाओं के अभाव जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। एक डॉक्टर के रूप में मैं इन परिवर्तनों को जमीनी स्तर पर महसूस कर रहा हूं, हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। यदि स्वास्थ्य ढांचे के आंकड़ों पर नजर डालें, तो राज्य में अब 75 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं या निर्माणाधीन हैं, जिनमें सरकारी और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। "एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज" की अवधारणा के चलते कई जिलों में पहली बार मेडिकल शिक्षा और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंची हैं। इससे भविष्य में डॉक्टरों की संख्या बढ़ने और स्थानीय स्तर पर इलाज की गुणवत्ता सुधारने की उम्मीद है। राज्य में करीब 140 जिला स्तर के अस्पताल, लगभग 950 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 3500 से ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 29,000 से अधिक सब-सेंटर कार्यरत हैं। इसके साथ ही लगभग 28,000 से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं।

जहां सामान्य बीमारियों का इलाज, जांच और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 1.7 लाख आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं की पहली कड़ी के रूप में काम कर रही हैं। स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का विस्तार भी एक बड़ा बदलाव लेकर आया है। प्रदेश में लगभग 4 करोड़ से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य बीमा से जोड़ा गया है, जिसके तहत प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इस योजना के माध्यम से लाखों मरीजों ने हृदय रोग, कैंसर, किडनी और अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज कराया है। अस्पतालों में भर्ती होने वाले गरीब मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि इसी का संकेत है। मातृ और शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुधार दर्ज किया गया है। कुछ वर्षों पहले तक राज्य में मातृ मृत्यु दर 285 प्रति लाख जीवित जन्म थी, जो घटकर लगभग 167 प्रति लाख जीवित जन्म के आसपास पहुंच गई है। इसी तरह शिशु मृत्यु दर में भी गिरावट आई है और यह करीब 64 प्रति हजार से घटकर लगभग 38 प्रति हजार जीवित जन्म तक आ गई है। संस्थागत प्रसव की दर अब 80 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जो पहले काफी कम हुआ करती थी। तकनीक के उपयोग ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाया है।

राज्य के कई जिलों में टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू की गई हैं, जिनके माध्यम से दूरदराज क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श मिल रहा है। डिजिटल रजिस्ट्रेशन और ऑनलाइन रिपोर्ट जैसी सुविधाओं से मरीजों को अस्पतालों में लंबी कतारों से राहत मिली है। कोविड-19 महामारी के दौरान स्थापित 500 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट और हजारों ऑक्सीजन बेड अब भी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती दे रहे हैं। हालांकि इन सुधारों के बावजूद कई गंभीर चुनौतियां अभी सामने हैं। राज्य में डॉक्टर-मरीज अनुपात अभी भी राष्ट्रीय मानकों से कम है। अनुमान के अनुसार, प्रदेश में प्रति दस हजार आबादी पर डॉक्टरों की संख्या मानक से कम है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अस्पतालों में बेड की उपलब्धता भी एक चिंता का विषय है। प्रदेश में प्रति हजार आबादी पर अस्पताल बेड की संख्या लगभग 0.5 के आसपास है, जबकि आदर्श स्थिति में यह संख्या 2 से 3 बेड प्रति हजार होनी चाहिए। बड़े जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मरीजों की भीड़ अक्सर क्षमता से अधिक हो जाती है, जिससे इलाज की गुणवत्ता और समय दोनों प्रभावित होते हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, मशीनों का रखरखाव और नर्सिंग स्टाफ की कमी जैसे मुद्दे भी समय-समय पर सामने आते रहते हैं। कई केंद्रों पर भवन तो बने हैं, लेकिन मानव संसाधन की कमी के कारण उनकी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है। एक डॉक्टर के रूप में मेरा मानना है कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। बुनियादी ढांचे का विस्तार, चिकित्सा शिक्षा में वृद्धि, बीमा योजनाओं की पहुंच, गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता और तकनीक का उपयोग सकारात्मक संकेत देते हैं। लेकिन मानव संसाधन, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुविधाओं के संतुलित वितरण पर लगातार काम करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब हर व्यक्ति—चाहे वह शहर में रहता हो या गांव में—समय पर, सुलभ और सम्मानजनक इलाज पा सके। यही लक्ष्य होना चाहिए, और उसी दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहने चाहिए।

हमारी गीता

मन का कुरुक्षेत्र और विचारों का धर्मयुद्ध

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

गीता की शुरुआत 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे' शब्द से होती है। महर्षि वेदव्यास ने कुरुक्षेत्र की उस ऐतिहासिक रणभूमि को एक ऐसे रंगमंच में बदल दिया, जहाँ केवल बाणों का प्रहार नहीं, बल्कि 'मनोमंथन' का महान नाटक खेला गया। यह केवल मनोरंजन के लिए लिखा गया कोई महाकाव्य नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर चलने वाले युद्ध का जीवंत दस्तावेज़ है। इतिहास गवाह है कि जब-जब रक्षक ही भक्षक बन जाते हैं और बल का उपयोग स्वार्थ के लिए होने लगता है, तब प्रकृति उसे सुधारने के लिए कुरुक्षेत्र जैसा स्थान चुनती है। भगवान परशुराम

ने इसी स्थान पर मर्यादा की स्थापना की थी, इसीलिए इसे 'धर्मक्षेत्र' कहा गया। लेकिन क्या कुरुक्षेत्र केवल हरियाणा का वह मैदान है? 'कुरु' का अर्थ है करना और 'क्षेत्र' का अर्थ है स्थान। हमारे जागने से लेकर सोने तक, हमारा मन सबसे व्यस्त कुरुक्षेत्र है। हम किसी भी काम को बाहरी दुनिया में करने से पहले उसे अपने मन में 'डिजाइन' करते हैं। जैसे किसी सिनेमा के पीछे लेखक, निर्देशक और अभिनेताओं की एक बड़ी सेना होती है, वैसे ही हमारे मन के भीतर भी विचारों का एक पूरा 'प्रोडक्शन हाउस' चलता है। हमारी हर क्रिया का लेखन और निर्देशन यहीं होता है। हमारे मन में हर क्षण दो विचारों का युद्ध चलता है। पांडव—जो संख्या में कम हैं, वे हमारी 'सद्प्रवृत्तियाँ' और 'सद्विचार' हैं। कौरव—जो संख्या में अधिक हैं, वे हमारे 'दुर्विचार', 'स्वार्थ' और 'क्रोध' हैं। जब कोई वस्तु सामने आती है, तो एक मन कहता है— 'इसे छीन लो' (कौरव प्रवृत्ति)। वहीं दूसरा विचार टोकता है— 'नहीं, यह तुम्हारा नहीं है' (पांडव प्रवृत्ति)। अतः हमारा मन ही वह कुरुक्षेत्र है जहाँ धर्म और अधर्म की सेनाएँ हर पल आमने-सामने खड़ी हैं। जीत हमेशा उसकी होती है जिसका सारथी 'विवेक' (श्रीकृष्ण) होता है। यदि हम अपने मन को धर्मक्षेत्र बना लें, तो संख्या में कम होने के बावजूद हमारी 'अच्छाई' (पांडव) हमेशा विजयी होगी।

शख्सियत | कपिल देव

जिसने जीतना सिखाया

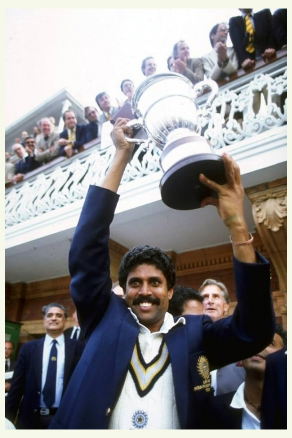

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में 'कपिल देव' मात्र एक नाम नहीं, बल्कि वह मोड़ है जहाँ से भारतीय क्रिकेट ने "जीतना" सीखा। 6 जनवरी 1959 को चंडीगढ़ में जन्मे कपिल देव निखंज ने न केवल भारतीय गेंदबाजी की सूरत बदली, बल्कि पूरे देश के मानस पटल पर यह विश्वास अंकित कर दिया कि हम भी विश्व विजेता बन सकते हैं।

कपिल देव का उदय उस दौर में हुआ जब भारतीय क्रिकेट को केवल स्पिन गेंदबाजी के लिए जाना जाता था। एक ऐसे देश में, जहाँ तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं थीं, कपिल ने अपनी गति और आउटस्विंग से सबको चौंका दिया। उनकी कद-काठी और गठीले शरीर ने उन्हें 'हरियाणा हरिकेन' का नाम दिलाया। 1978 में पाकिस्तान के खिलाफ पदार्पण करने के बाद, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1983 का विश्व कपः एक ऐतिहासिक क्रांति कपिल देव की शख्सियत का सबसे चमकीला अध्याय 1983 का विश्व कप है। उस समय भारतीय टीम को 'अंडरडॉग' माना जाता था। वेस्टइंडीज की अजेय टीम के सामने भारत की कोई गिनती नहीं थी। लेकिन एक कप्तान के तौर पर कपिल देव का आत्मविश्वास चट्टान जैसा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई उनकी 175 रनों की ऐतिहासिक पारी (जब भारत के 5 विकेट मात्र 17 रन पर गिर गए थे) क्रिकेट इतिहास की सबसे महान पारियों में गिनी जाती है। लॉर्ड्स के मैदान पर विवियन रिचर्ड्स का वह पीछे की ओर दौड़ते हुए पकड़ा गया कैच आज भी हर भारतीय के जहन में ताजा है। उस एक कैच और कपिल की कप्तानी ने भारत को पहला विश्व कप दिलाया, जिसने भारत में क्रिकेट को एक धर्म बना दिया। एक अद्वितीय ऑलराउंडर कपिल देव दुनिया के उन दुर्लभ खिलाड़ियों में से हैं जो गेंदबाजी और बल्लेबाजी, दोनों में महारत रखते थे। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 434 विकेट और 5000 से अधिक रन दर्ज हैं। लंबे समय तक सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। उनकी फिटनेस ऐसी थी कि अपने पूरे करियर में वे कभी चोट (Injury) के कारण टीम से बाहर नहीं हुए, जो आज के दौर के तेज गेंदबाजों के लिए एक मिसाल है।

व्यक्तिगत गुण और शख्सियत

कपिल देव की शख्सियत की तीन मुख्य विशेषताएं उन्हें महान बनाती हैं: अदम्य साहसः वे हार मानने वालों में से नहीं थे। चाहे मैदान पर स्थिति कितनी भी विपरीत हो, उनकी बॉडी लैंग्वेज हमेशा सकारात्मक रहती थी। सादगी और स्पष्टवादिताः हरियाणा की मिट्टी से जुड़े होने के कारण उनके व्यवहार में एक सहजता और सीधापन है। वे अपनी बात बेबाकी से रखते हैं, चाहे वह खेल के बारे में हो या जीवन के बारे में। नेतृत्व क्षमताः उन्होंने एक बिखरी हुई टीम को एकजुट किया और उनमें यह विश्वास भरा कि वे दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। रिटायरमेंट के बाद भी कपिल देव खेल से जुड़े रहे। उन्होंने भारतीय टीम के कोच के रूप में सेवाएं दीं और गोल्फ में भी हाथ आजमाया। उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार', 'पद्म भूषण' और 'विजडन क्रिकेटर ऑफ द सेंचुरी' जैसे सम्मानों से नवाजा गया। कपिल देव की जीवन ऊर्जा हमें सिखाती है कि साधन कम होने पर भी यदि संकल्प दृढ़ हो, तो इतिहास रचा जा सकता है।

जीवन ऊर्जा

खलील जिब्रान -जन्म- 6 जनवरी 1883 | जन्म

ख़लील जिब्रान का जन्म 6 जनवरी 1883 को लेबनान के एक पहाड़ी गांव में हुआ था। वे एक महान दार्शनिक, कवि और कलाकार थे, जिन्होंने अपनी लेखनी से संसार को प्रेम और आध्यात्मिकता का नया पाठ पढ़ाया। उनकी कृतियां मनुष्य के भीतर छिपी असीम ऊर्जा और उसकी स्वतंत्र चेतना को जगाने का माध्यम हैं। जिब्रान का दर्शन धर्म और सीमाओं से परे जाकर आत्मा की मुक्ति की बात करता है। उनके विचार आज भी आधुनिक समाज को सत्य, करुणा और आत्म-साक्षात्कार की ओर प्रेरित करते हैं, जो उन्हें एक वैश्विक पथ-प्रदर्शक बनाते हैं।

आज़ादी का अर्थ दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान है

प्रेम अधिकार नहीं जमाता, और न ही कोई उस पर अधिकार कर सकता है। जब आप अपनी संपत्ति से कुछ देते हैं, तो वह बहुत कम होता है; जब आप स्वयं का दान करते हैं, तब आप वास्तव में देते हैं। आपका आनंद ही आपका वह दुःख है, जिसका मुखौटा उतर गया है। जितनी गहराई से दुःख आपके भीतर छेद करेगा, उतनी ही अधिक खुशी आप समा सकेंगे। काम वह प्रेम है जो दृश्यमान हो गया है। यदि आप प्रेम के साथ काम नहीं कर सकते, तो बेहतर है कि आप मंदिर की सीढ़ियों पर बैठें और उनसे भिक्षा लें जो खुशी के साथ काम करते हैं। आपके बच्चे आपके बच्चे नहीं हैं, वे जीवन की स्वयं के प्रति लालसा के पुत्र और पुत्रियां हैं। वे आपके माध्यम से आते हैं, लेकिन आपसे नहीं। आप उन्हें अपना प्रेम

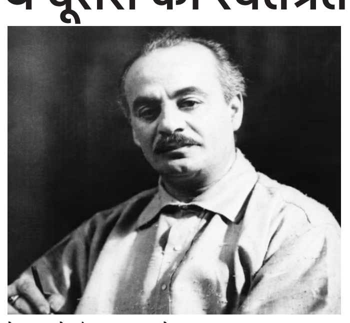

दे सकते हैं, पर अपने विचार नहीं। आज़ादी का अर्थ केवल बेड़ियां तोड़ना नहीं, बल्कि उस तरह से जीना है जो दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करे और उसे बढ़ाए। मौन की अपनी एक भाषा होती है, जो शब्दों से कहीं अधिक गहरा संवाद करती है। विश्वास वह सत्य है जिसे हृदय जानता है, भले ही मन उसे न समझ पाए। हम तब बात करते हैं जब हम अपने विचारों के साथ शांत रहना भूल जाते हैं। उदारता का अर्थ वह देना नहीं है जो आपकी जरूरत से ज्यादा है। प्रेम स्वयं के सिवाय कुछ नहीं देता और स्वयं के सिवाय कुछ नहीं लेता। प्रेम अधिकार नहीं जमाता, और न ही कोई उस पर अधिकार कर सकता है। जब आप अपनी संपत्ति से कुछ देते हैं, तो वह बहुत कम होता है; जब आप स्वयं का दान करते हैं, तब आप वास्तव में देते हैं। आपका आनंद ही आपका वह दुःख है, जिसका मुखौटा उतर गया है। जितनी गहराई से दुःख आपके भीतर छेद करेगा, उतनी ही अधिक खुशी आप समा सकेंगे। काम वह प्रेम है जो दृश्यमान हो गया है। यदि आप प्रेम के साथ काम नहीं कर सकते, तो बेहतर है कि आप मंदिर की सीढ़ियों पर बैठें और उनसे भिक्षा लें जो खुशी के साथ काम करते हैं। आपके बच्चे आपके बच्चे नहीं हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीवन जीने की कला: एक श्रेष्ठ मानवीय दृष्टिकोण

सृष्टि के अनंत विस्तार में मनुष्य का जन्म एक दुर्लभ अवसर है, लेकिन विडंबना यह है कि अधिकांश लोग केवल जीवित रहते हैं, जीना नहीं जानते। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन के सफर में 'जीवन जीने की कला' का ज्ञान होना अनिवार्य है। यह कला किसी विश्वविद्यालय में नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर के बोध और प्रकृति के साथ हमारे सामंजस्य से सीखी जाती है। जीवन एक खाली कैनवास की तरह है; यह हम पर निर्भर करता है कि हम अपने दृष्टिकोण

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

और कर्मों से इस पर कैसे रंग भरते हैं। प्रकृति का न्याय और विशिष्टता इस ब्रह्मांड का सबसे बड़ा सत्य यह है कि यह प्रकृति कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करती। चाहे वह जड़ हो या चेतन, कोई निर्जीव वस्तु हो, पदार्थ हो अथवा समस्त प्राणी जगत—प्रकृति ने हर किसी के भीतर कुछ न कुछ विशिष्टता अवश्य प्रदान की है। यदि हम ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि इस दुनिया में यदि कोई भी पूर्ण नहीं है, तो सर्वथा अपूर्ण भी कोई नहीं है। अधूरापन ही वह खिड़की है जिससे सीखने और बढ़ने की गुंजाइश पैदा होती है। अक्सर हम अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं और खुद को कमतर आंकने की भूल कर बैठते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जिसे हम 'कमी' कहते हैं, वह केवल हमारी विशिष्टता का दूसरा पहलू है। प्रकृति ने हर जीव को एक अलग उद्देश्य और एक अलग क्षमता के साथ रचा है। गुलाब की अपनी सुगंध है और मखमली घास की अपनी शीतलता; कोई एक-दूसरे का स्थान नहीं ले सकता। जीवन की सार्थकता इस बात पर टिकी है कि आपका दृष्टिकोण क्या है। क्या आप अपने जीवन के उन हिस्सों को देखते हैं जो खिल रहे हैं, या आपकी नजर केवल उन कांटों पर है जो राह में बिखरे हैं? जीवन का संघर्ष संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि नजरिए की कमी है। अमूमन हमारी नजर उस चीज पर टिकी रहती है जो हमारे पास नहीं है। हम पड़ोसी की सफलता, मित्र की समृद्धि और दूसरों की खुशियों को अपनी कसौटी

बना लेते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि जो आज सामने वाले के पास है, वह शायद हमारे पास नहीं है, लेकिन जो हमारे पास मौजूद है चाहे वह हमारा स्वास्थ्य हो, हमारे संस्कार हों या हमारी छोटी-सी मानसिक शांति वह शायद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के पास भी नहीं है। जब हम 'अभाव' से हटकर 'भाव' पर ध्यान देते हैं, तो जीवन स्वतः ही समृद्ध लगने लगता है। मानवता के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध 'ईर्ष्या' है। किसी की उपलब्धियों और प्रगति को देखकर मन में जलन का भाव पैदा होना एक स्वाभाविक मानवीय कमजोरी हो सकती है, लेकिन इसे पालना आत्मघाती है। ईर्ष्या वह आग है, जो सामने वाले को जलाए न जलाए, पर आपके भीतर के सुकून, रचनात्मकता और खुशियों को निश्चित रूप से जलाकर राख कर देती है। ईर्ष्या की यह आग हमें दूसरों का शत्रु बनाने से पहले खुद का शत्रु बना देती है। इस भयंकर आग को रोकने के लिए केवल दो ही अमोघ शस्त्र हैं संतोष और ज्ञान। संतोष का अर्थ आलस्य नहीं है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि हम अपनी मेहनत से प्राप्त परिणाम का सम्मान करें। ज्ञान हमें यह सिखाता है कि हर किसी की नियति और मेहनत का फल अलग होता है। जब संतोष और ज्ञान रूपी जल हमारे भीतर प्रवाहित होता है, तो ईर्ष्या का धुआं स्वतः ही शांत हो जाता है। एक बेहतर समाज का निर्माण तभी संभव है जब हम दूसरों की सफलता में अपनी खुशी ढूंढना शुरू करें। जीवन की कला यही है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें, अपने भीतर की विशिष्टता को निखारें और दूसरों को भी फलने-फूलने का अवसर दें। अपनी खुशियों को ईर्ष्या की आग में झोंकने के बजाय, उन्हें कृतज्ञता के फूलों से महकाएं। याद रखें, जीवन एक छोटा सा प्रवास है। यहां से हम अपनी उपलब्धियां नहीं, बल्कि अपना आचरण और अपने द्वारा बांटी गई खुशियां साथ ले जाते हैं।

अपने विचार

उत्तर के लोग तमिलनाडु में टेबल साफ करने आ रहे हैं। वे यहां मजदूरी, पानी पूरी बेचने आते हैं क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है।₹ इसके उलट हमारे बच्चे विदेश जाते हैं... क्योंकि हम दो-भाषा नीति का पालन करते हैं और हमने अंग्रेजी अच्छी तरह सीखी है।

पनीरसेल्वम
मंत्री, तमिलनाडु

वह साफ दिल के हैं। राहुल गांधी जी बहुत प्योर हार्ट के आदमी हैं। हंसी मजाक में कह दिया, लेकिन उसको हवा दी बीजेपी ने और रवनीत बिट्टू को चढ़ा दिया। कहते हैं कि झाड़ पर चढ़ाना। ऐसा नहीं करना चाहिए। राहुल जी ने लाइट मूड में कहा था, मैंने देखा था।

उदित राज
नेता, कांग्रेस

कौन क्या बनेगा, कब बनेगा और कैसे बनेगा- यह फैसला मेरी जिम्मेदारी है और मैं उसे निभा रहा हूं।आज, नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट के तौर पर मैं जिम्मेदारी से अजित पवार के बाद ट्रांज़िशन सुनिश्चित कर रहा हूँ। उन्होंने दो टूक कहा कि राज ठाकरे या सुबह 9 बजे की कोई न्यूज़ बुलेटिन

प्रफुल्ल पटेल
नेता, एनसीपी

पहले सहकारी बैंक घाटे में चल रहे थे, लेकिन अब वे मुनाफे में आ गए हैं। किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को बढ़ावा देने, महिलाओं को सशक्त बनाने और किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं के जरिए राहत दी जाएगी ,किसानों को मुफ्त बिजली, नहरों से सिंचाई, सस्ता ऋण और सोलर पैनल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

वरिष्ठ उद्योगपति हाजी मोहम्मद यूनुस फारूकी का निधन

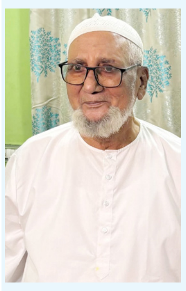

भिवंडी। भिवंडी शहर के वरिष्ठ उद्योगपति, ताज साइजिंग के मालिक और सामाजिक व शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले हाजी मोहम्मद यूनुस फारूकी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को निधन हो गया, जिससे भिवंडी सहित राज्य के सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक हलकों में शोक की लहर फैल गई। उनकी नमाज़-ए-जनाज़ा मंगलवार रात 11 बजे पांजरा पोल कब्रिस्तान में अदा की गई, जिसमें उलेमा, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए तथा वहीं उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। वे के.एम.ई.एस. स्कूल से जुड़े रहे, दारुल उलूम दीवान शाह के संस्थापक ट्रस्टी थे और प्रयागराज के इस्लामिया स्कूल व मदरसा के ट्रस्टी के रूप में भी सेवाएं दीं, जबकि अमीना बाग स्थित नूरानी मस्जिद के ट्रस्टी रहते हुए धार्मिक गतिविधियों को निरंतर सहयोग प्रदान किया। परिवार में वे पांच पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं, जिनमें उनके पुत्र मोहम्मद तारिक यूनुस फारूकी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व स्मॉल स्केल इंडस्ट्री चेयरमैन रह चुके हैं।

मुंबई में खुलेगा देश का पहला अत्याधुनिक रीसाइक्लिंग स्किल डेवलपमेंट सेंटर

मुंबई। देशभर में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग उद्योग को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने और 'सर्कुलर इकोनॉमी' के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। ऑल इंडिया प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (AIPMA) के 'अरविंद मेहता टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर' (AMTEC) और ऑस्ट्रिया की प्लास्टिक रीसाइक्लिंग मशीनरी कंपनी 'EREMA' के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी के तहत मुंबई में एक अत्याधुनिक 'रीसाइक्लिंग स्किल डेवलपमेंट सेंटर' की स्थापना की जाएगी, जो देश में कुशल मानव संसाधन की कमी को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा। गुरुवार को भारत मंडपम में शुरू हुई 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्लास्ट इंडिया प्रदर्शनी 2026 के दौरान एआईपीएमए गवर्निंग काउंसिल और एएमटीईसी (एएमटीईसी) के चेयरमैन अरविंद मेहता ने रीसाइक्लिंग क्षेत्र की चुनौतियों और इस केंद्र की भविष्यगामी भूमिका पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश का रीसाइक्लिंग उद्योग एक बड़े संकट से जूझ रहा है और वह संकट है—शिक्षित और कुशल मानव संसाधन की भारी कमी। मेहता ने केंद्र की कार्यप्रणाली को स्पष्ट करते हुए कहा, 'इस एमओयू के माध्यम से हमारा लक्ष्य छात्रों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर सीधे उद्योग की जरूरतों के लिए तैयार करना है।

रेलवे का होली बोनांज़ा

- 1410 विशेष रेल सेवाएं चलाने की योजना बना रही भारतीय रेल
- इस वर्ष कुल 209 होली विशेष रेल सेवाएं चलाएगी मध्य रेलवे
- पश्चिम रेलवे से अब तक 231 हॉलिडे स्पेशल ट्रेन सेवाएँ अधिसूचित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

होली पर्व के अवसर पर यात्रियों को अपने सगे-संबंधियों और प्रियजनों के साथ त्योहार मनाने में सुविधा देने के लिए भारतीय रेल ने देशभर में कुल 1410 विशेष रेल सेवाएं चलाने की योजना बनाई है। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य त्योहार के समय यात्रा को सुगम बनाना और भीड़भाड़ को नियंत्रित करना है, ताकि यात्री सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

होली पर यात्रियों को राहत

मध्य रेल इस वर्ष कुल 209 होली विशेष रेल सेवाएं चलाएगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी विशेष, एसी-शयनयान-सामान्य श्रेणी के मिश्रित संयोजन वाली तथा अनारक्षित विशेष ट्रेनें शामिल होंगी। ये सेवाएं मुंबई-नागपुर-मुंबई, मुंबई-रत्नागिरी-मुंबई, मुंबई-चिपलून-मुंबई सहित कई प्रमुख गंतव्यों के लिए उपलब्ध होंगी। यात्रियों की सुविधा और आराम सुनिश्चित करने के लिए मध्य रेल ने अपने नेटवर्क पर विभिन्न यात्री-अनुकूल उपाय लागू किए हैं। स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में टिकट काउंटर उपलब्ध कराए गए हैं और अन्य सुविधाओं को भी मजबूत किया गया है। इन विशेष ट्रेनों की विस्तृत समय-सारणी और ठहराव की जानकारी शीघ्र ही जारी की जाएगी।

पश्चिम रेलवे की विशेष तैयारी

त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए पश्चिम रेलवे आगामी होली त्योहार के दौरान संभावित यात्री भीड़ को संभालने के लिए पूरी तरह सजग है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने अब तक 231 हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों की सेवाएं अधिसूचित की हैं। ये विशेष ट्रेनें 1 मार्च से 22 मार्च 2026 के बीच देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जाएंगी, जिनमें उत्तर एवं पूर्व भारत के प्रमुख राज्य—उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र—शामिल हैं।

स्टेशनों पर पुख्ता भीड़ प्रबंधन व्यवस्था

होली के दौरान भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, उधना, सूरत, अहमदाबाद सहित प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। यात्रियों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित प्रवेश के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया, बैठने की सुविधा, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और जन-उद्घोषणा प्रणाली उपलब्ध कराई गई है। साथ ही आरपीएफ, जीआरपी और वाणिज्यिक कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती, 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी से यात्रियों की सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की जाएगी।

यात्री मांग के अनुसार अतिरिक्त सेवाएं

इन स्पेशल ट्रेनों की योजना यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने और त्योहारों के दौरान आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा अग्रिम योजना के तहत आरक्षण प्रवृत्तियों और यात्री आवागमन की निरंतर निगरानी की जा रही है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, जहां संभव होगा नियमित ट्रेनों में कोचों की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों की घोषणा भी की जाएगी। यात्रियों की बेहतर यात्रा योजना के लिए विभिन्न मीडिया माध्यमों से इन ट्रेनों और सुविधाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

'पल्स' चिकित्सा परिषद का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

स्वास्थ्य क्षेत्र में महाराष्ट्र को वैश्विक पहचान दिलाने वाली प्रतिष्ठित चिकित्सा परिषद 'पल्स' का आयोजन 27 और 28 मार्च 2026 को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 2,900 चिकित्सा विशेषज्ञ, शोधकर्ता और गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस परिषद के भव्य और प्रभावी आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

निवेश और ग्रामीण स्वास्थ्य पर फोकस

मुख्यमंत्री ने वैश्विक स्वास्थ्य निवेशकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे राज्य के बल्क ड्रग पार्क में निवेश आकर्षित किया जा सकेगा। वहीं, मेडिकल शिक्षा राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने सम्मेलन के दौरान निवेशकों के साथ समझौते कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के नए उपचार तरीकों और मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी 'पल्स' परिषद को एक प्रभावी मंच बताया।

मेडिकल वेलनेस टूरिज्म पर जोर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वर्षा बंगले पर आयोजित समीक्षा बैठक में मेडिकल वेलनेस पर्यटन के माध्यम से "महाराष्ट्र ब्रांड" विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि अब लोग महंगे पारंपरिक इलाज के बजाय वेलनेस आधारित उपचारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और इस क्षेत्र में महाराष्ट्र में व्यापक संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने आयुष उपचार पद्धतियों को वेलनेस के साथ जोड़ने तथा स्टार्टअप्स को सम्मेलन से जोड़कर कैंसर जैसी बीमारियों के लिए सुलभ और किफायती उपचार विकसित करने के निर्देश दिए।

एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

अतिरिक्त आयुक्त आदिवासी विकास ठाणे विभाग के अंतर्गत संचालित 6 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह पूरी प्रक्रिया नेशनल आदिवासी विद्यार्थियों की एजुकेशन कमिटी की गाइडलाइंस के अनुसार लागू की जा रही है।

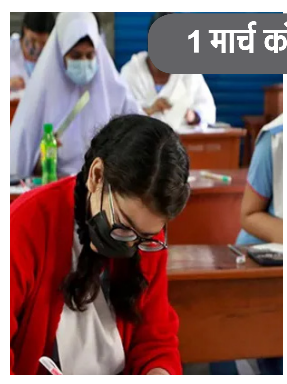

1 मार्च को होगा प्री-एग्जामिनेशन

विभाग के अनुसार, इन 6 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में कुल 583 रिक्त सीटों के लिए 1 मार्च 2026 को प्री-एग्जामिनेशन आयोजित किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के लिए कक्षा 6 में 360 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा, जिसमें 180 लड़के और 180 लड़कियां शामिल होंगी।

कक्षा 7 से 9 तक मेरिट के आधार पर प्रवेश

कक्षा 7 से 9 तक की 223 रिक्त सीटों पर छात्रों को मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलेगा। प्रत्येक एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल में कक्षा 6 के लिए कुल प्रवेश क्षमता 60 होगी, जिसमें 30 लड़के और 30 लड़कियां शामिल हैं।

बैकलॉग सीटों को भी भरा जाएगा

कक्षा 7, 8 और 9 में रिक्त बैकलॉग सीटों को भी भरा जाएगा। इन सभी सीटों पर पात्र विद्यार्थियों को प्रारंभिक परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। विभाग ने पात्र आदिवासी विद्यार्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

डीआरएच भुसावल में विश्व कैंसर दिवस का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

भुसावल मंडल रेलवे अस्पताल (डीआरएच, भुसावल) में 4 फरवरी 2026 (बुधवार) को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम और समय पर उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना था, ताकि गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके।

स्वस्थ जीवनशैली पर दिया गया संदेश

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिवकुमार ने अपने मार्गदर्शन में कैंसर के शीघ्र निदान और रोकथाम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. पवन खंडेलवाल ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम का आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के सहयोग की सराहना की।

कैंसर के जोखिम और उपचार पर विशेषज्ञ व्याख्यान

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन खंडेलवाल ने कैंसर के जोखिम कारकों, प्रारंभिक लक्षणों, जांच विधियों और उपचार विकल्पों पर विस्तृत एवं प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने स्थानीय भाषा में सरल तरीके से जानकारी प्रस्तुत की, जिससे लाभार्थियों में विषय को लेकर बेहतर समझ विकसित हुई। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे, जिनका तुरंत समाधान किया गया।

पीपीटी, वीडियो और पोस्टरों के जरिए जागरूकता

जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत पीपीटी प्रस्तुतियां, विशेषज्ञों के व्याख्यान, एलईडी स्क्रीन पर शैक्षणिक वीडियो, जानकारीपरक पोस्टरों की प्रदर्शनी और संवादात्मक चर्चा सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिवकुमार और सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी. टी. कोल्हे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुल 170 लाभार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर जानकारी प्राप्त की।

महावितरण को मिली आधुनिक केबल टेस्टिंग वैन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महावितरण द्वारा ग्राहकों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भांडुप सर्कल के अंतर्गत भांडुप टेस्टिंग विभाग के लिए एक आधुनिक केबल टेस्टिंग वैन उपलब्ध कराई गई है। 5 फरवरी को इस केबल टेस्टिंग वैन का उद्घाटन भांडुप सर्कल के चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने किया। यह कार्यक्रम ठाणे टेस्टिंग विभाग में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

फॉल्ट खोजने और सुधार में आएगी तेजी

नई केबल टेस्टिंग वैन की मदद से केबल में फॉल्ट का पता लगाने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा, जिससे मरम्मत कार्य भी तेजी से पूरा किया जा सकेगा। चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने विश्वास जताया कि यह आधुनिक वैन ठाणे मंडल में बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को समय पर, बेहतर गुणवत्ता वाली और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

उद्घाटन कार्यक्रम में ठाणे बोर्ड के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर माणिक राठौड़, ठाणे टेस्टिंग विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विशाल कुलकर्णी, भांडुप डिवीजन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अप्पासो खांडेकर, ठाणे-1 डिवीजन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर चंद्रमणि मेश्राम सहित बड़ी संख्या में अन्य इंजीनियर और अधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर ग्राहक सेवा पर जोर

इस अवसर पर संजय पाटिल ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि केबल टेस्टिंग वैन का अधिकतम और प्रभावी उपयोग किया जाए तथा नई तकनीक को अपनाकर केबल से जुड़ी खराबियों को न्यूनतम समय में दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे महावितरण की ग्राहक सेवा और मजबूत होगी और उपभोक्ताओं को बिना रुकावट बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष महत्वपूर्ण कार्यसिद्धि हो सकती है। मनोरंजक यात्रा होगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें। व्यावसायिक स्थिति में सुधार संभव है। कामकाज में मन लगेगा। निजी कार्यों में सावधानी, सतर्कता रखें। रुका पैसा प्राप्त होगा।

वृष धैर्य रखें। आय से अधिक व्यय से आर्थिक तंगी आने की आशंका है। साधारण मतभेद, चिड़चिड़ाहट रह सकती है। दूसरों के कहने में नहीं रहें। व्यापार मध्यम रहेगा। कुसंगति से बचें। यात्रादि में जोखिम न लें। लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मिथुन प्रसन्नता में वृद्धि होगी। लाभ होगा। दूसरों के व्यवहार से लाभ होगा। पूर्व नियोजित योजनाओं का क्रियान्वयन संभव है। रुके कार्यों की चर्चा होगी। संतान के कामों से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बेचैनी रहेगी। मान बढ़ेगा। अतिथियों का आवागमन रहेगा। झंझटों में न पड़ें। सहयोग, मार्गदर्शन नहीं मिल पाएगा। अर्थ संबंधी विवाद हो सकते हैं। संतान की चिंता रहेगी। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना होगा।

सिंह उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में अपने कार्य को महत्व देंगे। महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे हो पाएँगे। नए कार्यों की योजना बनेगी। आशानुरूप लाभ होने के योग हैं। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भूमि व भवन आदि की खरीद-फरोख्त संभव है।

कन्या व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली होगी। धनार्जन होगा। चोट व रोग से बचें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के अवसर आएँगे। आमदनी में सुधार होगा। व्यापारिक स्थायित्व बढ़ेगा। मांगलिक उत्सवों में भाग लेंगे।

तुला रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। निवेशादि लाभप्रद रहेंगे। परिवार के सदस्यों की तरक्की होगी। आमदनी से अधिक व्यय न करें। अपने कामों के प्रति सजगता रखना आवश्यक है। चोट व रोग से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक भागदौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता से तनाव बढ़ेगा। व्यावहारिक परेशानियाँ रहेंगी। छोटी-बड़ी तात्कालिक समस्याएँ विचलित रखेंगी। व्यापारिक असंतोष रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। दु:खद समाचार मिल सकता है।

धनु प्रभावशाली व्यक्ति सहायता करेंगे। धनार्जन होगा। मानसिक-वैचारिक श्रेष्ठता रहेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थितियाँ विशेष लाभप्रद बन पाएँगी। दांपत्य जीवन संतोषप्रद रहेगा। व्यर्थ लोभ-लालच नहीं रखें।

मकर सोच-विचार के अनुरूप स्थितियाँ रह पाएँगी। व्यावसायिक प्रयास सफल होने के आसार हैं। परिवार में धार्मिक, मांगलिक कार्य हो सकते हैं। जल्दबाजी न करें। विवाद से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

कुंभ महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। संतान पक्ष की चिंता रहेगी। समस्याओं का हल ढूँढ सकेंगे। कर्ज लेने की प्रवृत्ति का त्याग करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। तीर्थदर्शन हो सकता है। क्रोध-चिड़चिड़ाहट से कार्य नहीं करें।

मीन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जीवनसाथी को सम्मान मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जोखिम के कामों से दूर रहें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण, पदोन्नति के योग हैं। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।

नक्षत्रों की दिव्य आज्ञा और आजीविका का पथ
कर्म, भक्ति और ज्योतिष का सनातन संवाद

सनातन ज्योतिष केवल भविष्य जानने की विधा नहीं है, यह आत्मा को उसके कर्म-पथ की याद दिलाने वाला दिव्य शास्त्र है। जब मनुष्य जन्म लेता है, उसी क्षण आकाश में नक्षत्रों की जो स्थिति होती है, वही उसकी चेतना, उसकी प्रवृत्ति और उसके जीवन की दिशा को सूक्ष्म रूप से आकार देती है। नक्षत्र केवल तारे नहीं हैं, वे देवशक्तियाँ हैं, चेतन ऊर्जा के केंद्र हैं, जो हमारे कर्म, धर्म और आजीविका को भीतर से संचालित करती हैं। इसलिए प्राचीन ऋषियों ने कहा कि मनुष्य को अपनी आजीविका का चयन केवल बाहरी लाभ देखकर नहीं, बल्कि अपने जन्म नक्षत्र, कर्म नक्षत्र और दशम भाव के संकेतों को समझकर करना चाहिए। यही कारण है कि जो व्यक्ति अपने नक्षत्र-स्वभाव के अनुसार कर्म करता है, उसे संघर्ष कम और संतोष अधिक प्राप्त होता है।

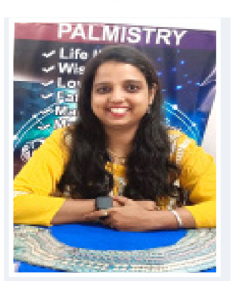

प्रियंका जैन
9769994439

ज्योतिष का यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि कर्मेश या दशमेश जिस ग्रह के नवांश में स्थित होता है, उसी ग्रह के गुण, धर्म और स्वभाव के अनुसार व्यक्ति की आजीविका विकसित होती है। परंतु इसके साथ-साथ जन्म नक्षत्र और कर्म नक्षत्र की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वृहत-संहिता जैसे महान ग्रंथों में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि शिक्षा, व्यवसाय और सेवा का चयन नक्षत्रों की प्रकृति के अनुरूप किया जाए, तो सफलता सहज रूप से प्राप्त होती है, जैसे बहती नदी में नाव चलाना।

अश्विनी नक्षत्र देवताओं के वैद्य अश्विनीकुमारों से जुड़ा है। यह नक्षत्र गति, उपचार और नव आरंभ का प्रतीक है। इस नक्षत्र में जन्मे लोग कर्मठ, तेजस्वी और साहसी होते हैं। इनके लिए खिलाड़ी, सेनापति, डॉक्टर, शिक्षक या वाहन संबंधी व्यवसाय स्वाभाविक रूप से फलदायी होता है। भरणी नक्षत्र यमराज की शक्ति से जुड़ा है, जो अनुशासन और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। इसलिए इस नक्षत्र वाले लोग प्रबंधन, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक, अनाज व्यापार या कार्यालय संचालन में स्थिर सफलता पाते हैं।

कृत्तिका नक्षत्र अग्नि की ऊर्जा से युक्त है। यह नक्षत्र तेज, शुद्धता और निर्णय क्षमता देता है। बैंकिंग, वित्त, लेखा, बर्तन या क्रॉकरी व्यापार जैसे क्षेत्र इनके लिए अनुकूल होते हैं। रोहिणी नक्षत्र सृजन और पोषण का प्रतीक है। चंद्रमा का प्रिय नक्षत्र होने के कारण यह समृद्धि देता है। कृषि, डेयरी, टेक्सटाइल, खनिज व्यापार या विज्ञान के क्षेत्र में यह नक्षत्र अत्यंत शुभ माना गया है। मृगशिरा नक्षत्र खोज और जिज्ञासा का द्योतक है। इस नक्षत्र के लोग संगीत, वस्त्र व्यापार, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, प्रशासन या न्यायिक सेवाओं में आगे बढ़ते हैं।

आर्द्रा नक्षत्र रुद्र की शक्ति से जुड़ा है, जिसमें संघर्ष के बाद परिवर्तन होता है। पुलिस, वकालत, राजनीति, चिकित्सा या दवा व्यापार में इस नक्षत्र के लोग अपने परिश्रम से ऊँचाइयाँ छूते हैं। पुनर्वसु नक्षत्र गुरु की कृपा से जुड़ा है, जो पुनर्निर्माण और आशा का प्रतीक है। कलाकार, अभिनेता, चित्रकार, धार्मिक नेता या वित्त प्रबंधन में यह नक्षत्र उज्ज्वल फल देता है। पुष्य नक्षत्र को नक्षत्रों का राजा कहा गया है। यह पोषण और स्थायित्व देता है। अनाज, किराना, राजनीति, इंजीनियरिंग, सर्जरी या वित्तीय क्षेत्र में यह नक्षत्र विशेष शुभ माना गया है।

अपर मुख्य सचिव और डीजीपी हाजिर हों...

▸▸ गुमशुदा लोगों की तलाश में नाकामी पर हाईकोर्ट सख्त

▸▸ करीब 1 लाख 8 हजार 300 गुमशुदा लोगों की शिकायतें दर्ज हुईं
सिर्फ 9 हजार गुमशुदा लोगों की तलाश की कारवाई शुरू की गई

एजेंसी । प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में लापता लोगों की तलाश में अधिकारियों के सुस्त रवैये पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों को 'अचंभित' करने वाला बताया। अदालत ने पाया कि प्रदेश में गुमशुदगी के मामलों की संख्या और पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बीच एक बहुत बड़ी खाई है, जो राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

दो साल में एक लाख से अधिक लोग हुए लापता

अपर मुख्य सचिव (गृह) द्वारा पेश किए गए हलफनामे के अनुसार, 1 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2026 के बीच उत्तर प्रदेश में कुल 1,08,300 गुमशुदगी की शिकायतें दर्ज की गईं। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इनमें से केवल 9,000 मामलों में ही पुलिस ने तलाश की औपचारिक कार्रवाई शुरू की। इस भारी अंतर को देखते हुए हाईकोर्ट ने इसे व्यापक जनहित का मुद्दा माना और इसे ₹इन-री मिसिंग पर्सन्स इन दि स्टेट₹ शीर्षक से एक जनहित याचिका के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया।

अपर मुख्य सचिव और डीजीपी से मांगा निजी जवाब

अदालत ने इस मामले में सीधे तौर पर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (ACS) और पुलिस महानिदेशक (DGP) को जिम्मेदार ठहराते हुए उनसे निजी हलफनामे पर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से पूछा है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की तलाश में नाकामी की आखिर क्या वजह है? अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई पर ये दोनों वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए व्यक्तिगत रूप से पेश हों और अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

चिनहट के विक्रमा प्रसाद की याचिका से खुला मामला

इस पूरे प्रकरण की शुरुआत लखनऊ के चिनहट निवासी विक्रमा प्रसाद की एक याचिका से हुई। विक्रमा प्रसाद का 32 वर्षीय पुत्र जुलाई 2024 से लापता है। जब पुलिस ने उनके बेटे की तलाश में कोई तत्परता नहीं दिखाई, तो उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। इसी मामले की सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने पूरे प्रदेश का ब्योरा मांगा, तो लापता लोगों का यह भयावह आंकड़ा सामने आया, जिसने अदालत को जनहित याचिका दर्ज करने पर मजबूर कर दिया।

एसओपी (SOP) बनाने का सख्त निर्देश

हाईकोर्ट ने पाया कि राज्य में गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए कोई स्पष्ट और प्रभावी कार्यप्रणाली मौजूद नहीं है। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया है कि गुमशुदा व्यक्तियों की खोज के लिए एक 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' (SOP) तैयार की जाए। कोर्ट ने अधिकारियों से प्रक्रिया के बारे में सवाल किया है कि वे लापता लोगों की तलाश के लिए वास्तव में कौन सी तकनीक और प्रणाली अपनाते हैं, ताकि हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बर्निंग ट्रेन बनते-बनते बचा वंदे भारत एक्सप्रेस

धुआं उठने से यात्रियों में हड़कंप, बड़ा हादसा टला

एजेंसी । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के टुनिया में हावड़ा–राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस (20871) एक बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई। चलती ट्रेन में हॉट एक्सेल के कारण इंजन से धुआं निकलने लगा, जिसे देखकर लोको पायलटों ने तत्काल ट्रेन को टुनिया में रोक दिया। धुआं और जलने की गंध से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और एहतियातन यात्री एक-एक कर ट्रेन से नीचे उतर आए।

तकनीकी सतर्कता से टली अनहोनी

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हॉट एक्सेल की पहचान के लिए चक्रधरपुर रेल मंडल में विशेष यंत्र लगाए गए हैं, जो पहियों के तापमान की जांच कर तुरंत अलर्ट देते हैं। ये यंत्र कोच की संख्या तक की जानकारी देते हैं, जिससे समय रहते कार्रवाई संभव हो पाती है और आगजनी जैसी घटनाओं में काफी कमी आई है।

राहत कार्य और परिचालन व्यवस्था

दोपहर 12.40 बजे चक्रधरपुर में चार हूटर बजाए गए, जिससे रेलकर्मियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद दोपहर 1.40 बजे एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) को टुनिया भेजा गया। मौके पर वंदे भारत के इंजन के हॉट एक्सेल पहिये को दुरुस्त किया गया, जिस कारण ट्रेन करीब डेढ़ घंटे तक टुनिया में खड़ी रही। मरम्मत के बाद ट्रेन को उसके गंतव्य राउरकेला के लिए रवाना किया गया।

यात्रियों की सुरक्षा और हॉट एक्सेल की वजह

घटना से डरे यात्रियों को रेलवे के निर्देश पर दुरंतो एक्सप्रेस में शिफ्ट कर सुरक्षित राउरकेला भेजा गया। यात्रियों ने बताया कि इंजन के पास से धुआं और जलने की गंध आ रही थी, जिससे वे भयभीत हो गए थे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एक्सेल बॉक्स में चिकनाई की कमी या धूल-कणों के कारण घर्षण बढ़ने से एक्सेल अत्यधिक गर्म हो जाता है, जिससे धुआं और आग लगने की आशंका पैदा होती है, हालांकि समय पर कार्रवाई से इस बार बड़ा हादसा टल गया।

नवादा में पकड़ा गया 'मुन्ना भाई'

दोस्त की जगह दे रहा था परीक्षा

नवादा। नवादा में इंटरमीडिएट परीक्षा के दौरान एक बार फिर "मुन्ना भाई" का मामला सामने आया है. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद परीक्षा केंद्र पर फर्जी परीक्षार्थी पकड़े जाने से प्रशासन की सतर्कता पर सवाल खड़े हो गए हैं. यह मामला गुरुवार को प्रोजेक्ट मुनक्का फूलचंद साहू कन्या इंटर विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का है. जानकारी के अनुसार, एक युवक दूसरे परीक्षार्थी की जगह बैठकर इंटर की परीक्षा दे रहा था. जांच के दौरान केंद्र पर तैनात कर्मियों को उस पर शक हुआ. पहचान पत्र और बायोमेट्रिक मिलान के बाद सच्चाई सामने आ गई. इसके बाद युवक को तुरंत पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया.

गिरफ्तार युवक की हुई पहचान

गिरफ्तार युवक की पहचान खड़कपुर गांव निवासी नवाब यादव के बेटे नीतीश कुमार के रूप में हुई है. पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अपने दोस्त वीरेंद्र कुमार के बदले परीक्षा देने आया था. वीरेंद्र की गैरमौजूदगी में यह सौदा तय हुआ था. नीतीश कुमार ने बताया कि उसे इस काम के लिए 14 हजार रुपये दिए गए थे. परीक्षा केंद्र प्रभारी ने भी पुष्टि की है कि आरोपी युवक किसी दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा था. उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया.

1.64 करोड़ का गांजा बरामद, दो तस्कर गरिफ्तार

देवरिया। लार थाना की पुलिस व एंटी नारकोटिक्स की संयुक्त टीम ने बिहार सीमा के समीप से कंटेनर में छिपाकर बिहार ले जाए जा रहे गांजे की बड़ी खेप पकड़ी है। टीम ने मुखबिर की सूचना पर मक्का के बोरी के अंदर पैकेट में 328.73 किग्रा मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा की कीमत एक करोड़ 64 लाख 50 हजार रुपये रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने गांजा के साथ दो तस्करों को भी पकड़ा है। दोनों का पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत चालान कर दिया। पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि कंटेनर से गांजे की खेप बिहार जाने वाली है। पुलिस ने वाहन चेकिंग शुरू की और बजाज ऑटो चोरडीहा के समीप एक कंटेनर एसआर 38 जेड 5407 आता दिखा। पुलिस ने रोक कर चेक किया तो अंदर बोरी के अंदर पैकेट में छिपकार गांजा रखा गया था।

स्क्रूटनी में फेल हुए 3 धुरंधर

धनबाद मेयर चुनाव

एजेंसी । धनबाद

झारखंड में चल रहे नगर निकाय चुनाव के तहत धनबाद में मेयर पद के लिए दाखिल किये गये नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. जांच के दौरान कुल 33 नामांकन पत्रों में से 3 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द कर दिया है. नामांकन रद्द होने की वजह दस्तावेज की कमी और आवश्यक जानकारियां पूरी तरह से दर्ज न होने के अलावा कम आयु सीमा भी बड़ी वजह है.

किन वजहों से रद्द हुआ नामांकन?

जानकारी के अनुसार अखिलेश्वर महतो और डॉ. सुशील कुमार द्वारा दाखिल किये गये नामांकन पत्रों के साथ संलग्न एफिडेविट अधूरे पाये गये हैं. साथ ही शपथ पत्र में आवश्यक जानकारियां पूरी तरह से दर्ज नहीं होने के कारण भी दोनों उम्मीदवारों का नामांकन अमान्य घोषित कर दिया गया. वहीं 27 वर्षीय पुष्पा कुमारी का भी नामांकन कम आयु की वजह से रद्द कर दिया गया. आयु संबंधी नियमों का उल्लंघन होने के कारण निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनका नामांकन स्वीकार नहीं किया गया.

अब सिर्फ 30 उम्मीदवार बचे चुनाव में

निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नामांकन पत्रों कीचाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष पद के सभी उम्मीदवारों के नामांकन वैध, 11 लोगों के बीच जंग जांच के बाद चुनावी मुकाबले में अब 30 उम्मीदवार शेष बचे हैं. आयोग द्वारा शुक्रवार को नामांकन वापस लेने की तिथि निर्धारित की गई है. नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी. इधर, नामांकन जांच की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं और प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर चुनावी रणनीति बनाने में जुट गए हैं.

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

▸▸ सेंसेक्स 503 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

मुंबई। वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी के रुझान के बीच, बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को तीन दिन की तेजी को तोड़ते हुए गिरावट के साथ बंद हुए। मंदी के साथ कारोबार शुरू करने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.76 अंक या 0.60 प्रतिशत और गिरकर 83,313.93 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 666.07 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 83,151.62 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 25,642.80 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स सूची में शामिल कंपनियों में से, इटरनल, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं ट्रेंट, टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बजाज फाइनेंस को लाभ हुआ।

एलआईसी का मुनाफा 17 फीसदी बढ़कर ₹12958 करोड़

एजेंसी । नई दिल्ली

स्वामित्व वाली जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने गुरुवार को दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 17% बढ़कर 12,958 करोड़ रहा। पिछले वर्ष की समान अवधि में एलआईसी ने 11,056 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। तिमाही के दौरान एलआईसी की नेट प्रीमियम आय बढ़कर 1,25,613 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले 1,06,891 करोड़ थी। वहीं, कुल आय भी बढ़कर 2,33,984 करोड़ पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 2,01,994 करोड़ थी। कंपनी ने बताया कि तिमाही में नेट कमीशन भुगतान मामूली बढ़त के साथ 6,011 करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 5,966 करोड़ था।

आईओसी के मुनाफे में चार गुना से अधिक उछाल

इस बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने तीसरी तिमाही में मुनाफे में चार गुना से अधिक उछाल दर्ज किया। कंपनी का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ अक्तूबर दिसंबर तिमाही में बढ़कर 12,125.86 करोड़ रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,873.53 करोड़ था। कंपनी के अनुसार, रिफाइनिंग और मार्केटिंग मार्जिन में मजबूती ने पेट्रोकेमिकल्स सेगमेंट की कमजोरी की भरपाई की। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार हुआ, वहीं ईंधन बिक्री में 5% की वृद्धि दर्ज की गई। IOC ने बताया कि अप्रैल–दिसंबर 2025 के दौरान हर बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर औसतन USD 8.41 की कमाई हुई, जबकि पिछले साल यह USD 3.69 प्रति बैरल थी।

भारती एयरटेल मुनाफा 55% गिरा

देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने गुरुवार को बताया कि दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में उसका समेकित शुद्ध मुनाफा करीब 55% घटकर 6,630.5 करोड़ रुपये रह गया। नियामकीय फाइलिंग के अनुसार, पिछले साल की समान तिमाही में यह मुनाफा 14,781.2 करोड़ रुपये था, जो मूल कंपनी के शेयरधारकों को आवंटित था।

हिंदुस्तान कॉपर का शुद्ध लाभ बढ़कर 156.30 करोड़

सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान कॉपर ने गुरुवार को दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल आधार पर दो गुने से अधिक बढ़कर 156.30 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 62.87 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था। अक्तूबर- दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की समेकित आय भी मजबूत बढ़त के साथ 687.34 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 327.77 करोड़ थी। बेहतर बिक्री और ऊंचे राजस्व के चलते मुनाफे में यह तेज उछाल देखने को मिला। इसके साथ ही, कंपनी ने बताया कि वह अपनी अयस्क उत्पादन क्षमता को मौजूदा 4 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) से बढ़ाकर 2030-31 तक 12.2 MTPA करने की योजना पर काम कर रही है।

9 फरवरी से खुलेगा फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ

डाटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एनालिटिक्स कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड तय कर दिया है। कंपनी ने अपने आईपीओ के तहत शेयरों का प्राइस बैंड 857 से 900 रुपये प्रति शेयर का तय किया है। कंपनी के इक्विटी शेयरों का फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ का सब्सक्रिप्शन सोमवार, 9 फरवरी से शुरू होगा और यह बुधवार, 11 फरवरी को बंद होगा। फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों को अलॉटमेंट शुक्रवार, 6 फरवरी को होने वाला है। फ्लोर प्राइस और कैप प्राइस इक्विटी शेयरों की फेस वैल्यू का 857 गुना और 900 गुना है। रिटेल निवेशकों के लिए फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ का लॉट साइज 16 इक्विटी शेयरों का रखा गया है, निवेशक उसके उसके बाद 16 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोलियां लगा सकते हैं। कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसे का कुछ हिस्सा अपनी सब्सिडियरी का कर्ज चुकाने में इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा, जुटाए गए फंड का कुछ हिस्सा लैपटॉप खरीदने, नया ऑफिस स्पेस लेने, रिसर्च और डेवलपमेंट, सेल्स और मार्केटिंग के साथ इनऑर्गेनिक एक्विजिशन में

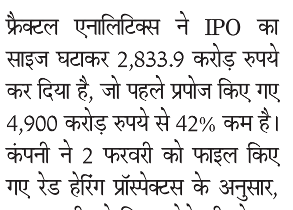

इन्वेस्ट किया जाएगा।

फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने IPO का साइज घटाकर 2,833.9 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले प्रपोज किए गए 4,900 करोड़ रुपये से 42% कम है। कंपनी ने 2 फरवरी को फाइल किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, 16 फरवरी को लिस्ट होने की योजना बनाई है।

रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 90.33 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे मजबूत होकर 90.33 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू मुद्रा में यह मजबूती भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदों और जिंस कीमतों में गिरावट के कारण आई। हालांकि, निवेशक समझौते की शर्तों को लेकर और स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसलिए बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि महत्वपूर्ण कॉरपोरेट

डॉलर की मांग और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर स्थिति ने रुपये की बढ़त को सीमित कर दिया। इसके अलावा निवेशक शुक्रवार को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर घोषणा के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं।

बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज में डॉ. केशव पाटकर स्वतंत्र निदेशक नियुक्त

मुंबई। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जिसे पहले इनर्टिया स्टील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने अपने निदेशक मंडल को और मजबूत करते हुए डॉ. केशव लक्ष्मीनारायण पाटकर को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी, स्वतंत्र) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 2 फरवरी 2026 को बोर्ड द्वारा सर्कुलेशन के माध्यम से पारित प्रस्ताव के तहत की गई, जिसे सेबी के लिस्टिंग रेगुलेशंस के अनुरूप मंजूरी दी गई है। डॉ. पाटकर एक अनुभवी क्वालिटी और ऑपरेशंस प्रोफेशनल हैं, जिनके पास कंज्यूमर गुड्स और ब्रूइंग इंडस्ट्री में लगभग तीन दशक का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। उन्होंने सब मिलर और एबी इनबेव जैसे वैश्विक संगठनों में ब्रूइंग, क्वालिटी और इनोवेशन से जुड़े अहम नेतृत्वकारी दायित्व निभाए हैं। बडवाइज़र, कोरोना, होएगार्डन और पेरोनी जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को भारतीय बाजार के अनुरूप विकसित करने में उनकी अहम भूमिका रही है। बीपीआईएल प्रबंधन ने कहा कि डॉ. पाटकर का अनुभव और रणनीतिक दृष्टिकोण कंपनी के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। वहीं, डॉ. पाटकर ने बीपीआईएल से जुड़ने को एक रोमांचक अवसर बताते हुए टीम के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। गौरतलब है कि BPIL इस समय एक बड़े रणनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रही है। कंपनी ने कम मार्जिन वाले पेपर बिजनेस से हटकर सीएमजे ब्रुअरीज में 78.90 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर हाई-ग्रोथ अल्कोहलिक बेवरेज सेक्टर में प्रवेश किया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा अंडर 19 वर्ल्ड कप का फाइनल, अजेय हैं दोनों टीमें

- 1 भी मुकाबला दोनों टीमों ने अभी तक मौजूदा टूर्नामेंट में हारा नहीं है
- 4 साल बाद दोनों टीमें फाइनल में टकराएंगी

छठे खिताब पर भारत की निगाह

अंडर-19 विश्व कप

एजेंसी । हरारे

जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में शुक्रवार को आईसीसी अंडर-19 वनडे विश्व कप का फाइनल खेला जाएगा। भारतीय युवा ब्रिगेड की कमान आयुष म्हात्रे के हाथों में है, जो टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहे हैं। भारत की नजरें अपने छठे विश्व खिताब पर हैं, जबकि इंग्लैंड की टीम 1998 के बाद अपना दूसरा खिताब जीतकर सूखे को खत्म करना चाहती है।

सेमीफाइनल में भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड चेज

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ एक यादगार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। अफगानिस्तान द्वारा रखे गए 310 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अंडर-19 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज (311/3) कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस ऐतिहासिक जीत ने भारतीय खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुँचा दिया है।

इंग्लैंड की चुनौती: अजेय बनाम अजेय

भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की चुनौती कतई आसान नहीं होगी। इंग्लैंड ने पहले सेमीफाइनल में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 27 रनों से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड के कप्तान मैन्नी लुम्सडेन टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक 15 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। बेन मायेस और थॉमस रियू की मौजूदगी में इंग्लैंड का बल्लेबाजी और गेंदबाजी आक्रमण काफी संतुलित नजर आता है।

आरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी की 'तूफानी' जोड़ी

टीम इंडिया की बल्लेबाजी की मुख्य ताकत सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज हैं। सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज ने 104 गेंदों में 115 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता। वहीं, 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने महज 33 गेंदों में 68 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर अफगानिस्तान के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया था। कप्तान आयुष म्हात्रे (62 रन) भी शानदार फॉर्म में हैं।

स्पिनरों और तेज गेंदबाजों की भूमिका

हरारे की पिच पर भारतीय स्पिनरों, विशेषकर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल, की भूमिका काफी अहम होने वाली है। चूंकि इंग्लैंड के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों को खेलने में माहिर हैं, ऐसे में स्पिनरों का बीच के ओवरों में अंकुश लगाना मैच का रुख मोड़ सकता है। भारतीय तेज गेंदबाजी का नेतृत्व दीपेश देवेंद्रन, हेनिल और अंबरीश करेंगे, जिन्होंने टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मौकों पर सफलता दिलाई है।

इतिहास और रिकॉर्ड पर एक नजर

अंडर-19 विश्व कप के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम रही है, जिसने अब तक 5 बार (2000, 2008, 2012, 2018 और 2022) खिताब जीता है। भारत और इंग्लैंड के बीच 2022 के फाइनल में भी भिड़ंत हुई थी, जहाँ भारत ने बाजी मारी थी। यह भारत का लगातार छठा और कुल 10वां फाइनल है। यदि म्हात्रे की सेना शुक्रवार को जीत दर्ज करती है, तो यह भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास में एक और बड़ा अध्याय होगा। भारत- एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हरवंश पंगलिया, मोहम्मद एनान, उधव मोहन और किशन कुमार सिंह। इंग्लैंड- बेन डॉकिन्स, जोसेफ मूरेस, बेन मेयस, थॉमस रेव (विकेटकीपर/कप्तान), कालेब फाल्कनर, राल्फी अल्बर्ट, फरहान अहमद, सेबेस्टियन मॉर्गन, विल बेनिसन और अली फारूक।

सुजीत ने लगाया स्वर्णिम दांव, अमन की चांदी

एजेंसी । जागरेब

भारतीय पहलवानों ने जागरेब ओपन कुश्ती के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। सुजीत कलकल ने 65 किग्रा में स्वर्ण, अमन सहरावत ने 61 किग्रा रजत और अभिमन्यु ने 70 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीते।

अंकुश कांस्य पदक से चूके

अंकुश 57 किग्रा में रेपचेज से कांस्य मैच तक पहुंचे लेकिन ईरान के मिलाद वलीजादेह से 10-0 से हार गए। इसी वर्ग में आतिश क्वालिफिकेशन में बाहर हो गए। 86 किग्रा में मुकुल दहिया कांस्य के प्लेऑफ में ईरान के अली सवादकूही से 6-5 से हार गए। संदीप सिंह मान (86 किग्रा), दीपक (74 किग्रा) और चंदरमोहन (74 किग्रा) भी खाली हाथ लौटे।

एकतरफा मुकाबला

बुधवार को 23 साल के भारतीय पहलवान सुजीत ने ईरान के पेमैन अली नेमाती को शानदार दांव से 3-0 से पस्त करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा में रजत जीता। हालांकि अभिमन्यु को 70 किग्रा में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।अंडर-23 विश्व चैंपियन सुजीत ने बिना कोई अंक गंवाए खिताब जीता। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के खमजात अरसामरजोएव को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया और फिर सेमीफाइनल में अमेरिका के दो बार के पैन अमेरिकन चैंपियन जोसेफ मैककेना को 11-0 से शिकस्त दी।

अमन को तीसरा पदक

इस बीच, नॉर्डिक सिस्टम के जरिए अमन सहरावत ने टूर्नामेंट में करियर का तीसरा पदक जीता। ओलंपिक पदक जीतने वाले सबसे युवा भारतीय अमन ने ईरान के रेजा हुसैन मोमेनिजोउजादेह (12-2) और जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाश्विली (10-0) को हराया और फिलिस्तीन के अली अबुरमैला से वॉकओवर मिला। अमेरिका के ऑस्टिन डेसैंटो से 8-0 की हार से भारतीय पहलवान दूसरे स्थान पर रहा। अभिमन्यु ने क्वार्टर में अमेरिका के टायलर कासक को 10-0 से हराकर शानदार शुरुआत की, लेकिन सेमीफाइनल में ईरान के सीना खलीली से 10-0 से हार गए। अभिमन्यु ने फिर कांस्य मैच में अमेरिका के इयान पार्कर को 6-3 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई।

डोप टेस्ट नहीं देने पर धाविका पूजा निलंबित

नई दिल्ली। भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम को एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (AIU) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। राजस्थान की रहने वाली पूजा पर आरोप है कि उन्होंने डोप टेस्ट के लिए नमूना देने से बचने या मना करने की कोशिश की है। AIU ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि उन्हें नमूना देने में विफलता के कारण तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है और इस संबंध में उन्हें 'आरोप का नोटिस' भी थमा दिया गया है।

नियमों का उल्लंघन और करियर पर असर

पूजा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (WADA) की आचार संहिता की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। 5000 और 10000 मीटर दौड़ की एथलीट पूजा ने 2024 में इंडियन ग्रां प्री 2 में तीसरा स्थान हासिल कर अपनी पहचान बनाई थी। इससे पहले वह लखनऊ में हुई राष्ट्रीय क्रॉसकंट्री चैम्पियनशिप में भी हिस्सा ले चुकी हैं। इस निलंबन के बाद अब उनके पेशेवर करियर और भविष्य की प्रतियोगिताओं में भागीदारी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

मनमीत को सीनियर हॉकी टीम में मिली जगह

नई दिल्ली। पंजाब के युवा मिडफील्डर मनमीत सिंह को पहली बार सीनियर हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पिछले साल जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनमीत को शानदार प्रदर्शन का फल मिला है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में एफआईएच प्रो लीग के पहले चरण के लिए 24 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। प्रो लीग के मुकाबले राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में दस से 15 फरवरी तक खेले जाएंगे। पिछले महीने 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की थी जिसे अब घटाकर 24 कर दिया गया है। इस चरण में भारत के अलावा बेल्जियम और अर्जेंटीना की टीमें भाग लेंगी। पिछले सत्र में नौ टीमों में आठवें स्थान पर रही भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 11 फरवरी को बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी। फिर उसे 13 फरवरी को अर्जेंटीना से खेलना है। इसके बाद 14 फरवरी को बेल्जियम से और 15 फरवरी को अर्जेंटीना से मुकाबला होगा। इसके बाद भारतीय टीम होबर्ट जाएगी।

सरफराज खान बीमार, क्वार्टर में नहीं खेल पाएंगे

रणजी ट्रॉफी

मुंबई। रणजी ट्रॉफी के महत्वपूर्ण क्वार्टर फाइनल मुकाबले से ठीक पहले मुंबई की टीम को एक बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। टीम के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हो गए हैं, जिसके चलते वह शुक्रवार से कर्नाटक के खिलाफ होने वाले नॉकआउट मैच से बाहर हो गए हैं। बुधवार को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें डॉक्टरी निगरानी में रखा गया है। हालांकि उनकी स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है, लेकिन पूर्ण रूप से स्वस्थ होने में समय लगने के कारण उनके इस अहम मैच में खेलने की संभावना न के बराबर है।

मुंबई की बल्लेबाजी पर पड़ेगा असर

28 वर्षीय सरफराज खान इस रणजी सीजन में मुंबई के लिए सबसे भरोसेमंद और लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। कर्नाटक जैसी मजबूत टीम के खिलाफ होने वाले इस बड़े मुकाबले में उनकी अनुपस्थिति मुंबई के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकती है। टीम प्रबंधन के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती सरफराज की जगह एक ठोस विकल्प तलाशने की होगी, ताकि नॉकआउट चरण में टीम के प्रदर्शन की लय बनी रहे।

न्यूज ब्रीफ

लवलीना की आसान जीत, हितेश भी अगले दौर में

अलीकांटे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बॉक्सम इलीट मुक्केबाजी में यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को आसानी से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। उनके साथ ही हितेश गुलिया भी अगले दौर में पहुंच गए। लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में तेज और सटीक मुक्कों से यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अन्य महिला मुक्केबाजों में मंजू रानी (48 किग्रा) ने फ्रांस की ग्लोरिया डिअलेमेडा को 5-0 से हराया तो नीतू (51 किग्रा) ने स्पेन की लॉरा काल्डेरॉन पर पहले राउंड में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोका जाना) से जीत दर्ज की। कुसुम (51 किग्रा) ने स्पेन की क्लाडिया अलकानिज को 4-1 से जबकि अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने कजाखस्तान की अजीजा इसिना को 5-0 से मात दी। बाद में सनामाचा चानू (75 किग्रा) ने कनाडा की विक्टोरिया पेने पर 4-1 से जीत दर्ज की। पुरुषों के 70 किग्रा में हितेश ने कनाडा के विन्सेंट सांटाओरिएलो को 5-0 से शिकस्त दी। पवन बर्तवाल (55 किग्रा) ने थाईलैंड के थनारात सएनगफेट के दूसरे दौर में रिटायर होने से अगले दौर में प्रवेश किया। जादुमणि सिंह (55 किग्रा) ने यूक्रेन के सियोवुश मुखामदिएव पर 4-0 से, दीपक (70 किग्रा) ने स्पेन के डेविड इडेनेल रोसालेन पर 5-0 से और अंकुश (80 किग्रा) ने कजाखस्तान के येरासिल जाकपेकोव पर 3-2 से जीत दर्ज की। हर्ष चौधरी (90 किग्रा) ने कनाडा के ब्रायन कोलवैल को 5-0 से हराकर दिन का समापन किया।

ओमान ने जिम्बाब्वे को चार विकेट से हराया

कोलंबो। सुफियान महमूद की घातक गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजों के संयमित प्रदर्शन के दम पर ओमान ने टी-20 विश्व कप के अभ्यास मैच में जिम्बाब्वे को चार गेंदें शेष रहते चार विकेट से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में सात विकेट पर 187 रन बनाए, जिसमें ब्रायन बेनेट (56) और ताशिंगा मुसेकिवा (नाबाद 54) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। ओमान की ओर से सुफियान महमूद ने तीन जबकि नदीम खान ने दो विकेट झटके।जवाब में ओमान की शुरुआत आक्रामक रही। कप्तान आमिर कलीम और जतिंदर सिंह ने पहले विकेट के लिए 2.2 ओवर में 28 रन जोड़े। इसके बाद जतिंदर सिंह ने 55 रन की अहम पारी खेली, जबकि हम्माद मिर्जा ने 35 रन का योगदान दिया। ओमान ने लगातार रन बटोरते हुए 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर नदीम खान के चौके के साथ छह विकेट पर 188 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी ने दो विकेट लिए। चेन्नई। एक अन्य अभ्यास मुकाबले में नेपाल ने कनाडा को दो ओवर शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 161 रन बनाए, जिसमें नवनीत धालीवाल ने 41 और श्रेयस मूवा ने नाबाद 38 रन जोड़े।

बॉलीवुड

'मैं हूं ना 2' से फिर गूंजेगा जादू
शाहरुख-फराह की जोड़ी तैयार

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान और निर्देशक फराह खान की हिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। शाहरुख की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग के बीच यह खबर सामने आई है कि फराह खान ने 'मैं हूं ना' के सीक्वल के लिए एक दमदार आइडिया फाइनल कर लिया है। बताया जा रहा है कि 'मैं हूं ना 2' में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आ सकते हैं, जिससे फिल्म का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा। फिल्मी गलियारों में चर्चा है कि फराह खान लंबे समय से 'मैं हूं ना 2' की स्क्रिप्ट पर काम कर रही थीं और अब यह प्रोजेक्ट शाहरुख खान की अगली फिल्मों की सूची में सबसे आगे निकल आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 12 साल बाद यह हिट जोड़ी फिर साथ काम करने जा रही है। फराह की स्क्रिप्ट लगभग तैयार मानी जा रही है और शाहरुख भी इस कॉन्सेप्ट को लेकर खासे उत्साहित हैं। गौरतलब है कि फराह खान ने बतौर निर्देशक अपने करियर की शुरुआत साल 2004 में 'मैं हूं ना' से की थी। एक्शन, कॉमेडी और देशभक्ति से भरपूर इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला। इसके बाद 2007 में 'ओम शांति ओम' और 2014 में 'हैप्पी न्यू ईयर' के जरिए शाहरुख-फराह की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़े। अब 12 साल बाद यह जोड़ी फिर बड़े प्रोजेक्ट के साथ वापसी को तैयार है। बताया जा रहा है कि 'मैं हूं ना 2' में देशभक्ति और कॉमेडी का वही पुराना रंग देखने को मिलेगा, जिसने पहली फिल्म को खास बनाया था। कहानी भारत पर मंडराते एक नए खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी। खास बात यह है कि फिल्म में शाहरुख खान का डबल रोल होगा, जिसमें वह दो बिल्कुल अलग किरदार निभाते नजर आएंगे। साथ ही, पुराने कलाकारों की वापसी की भी संभावना जताई जा रही है। 'किंग' के बाद शाहरुख खान फराह खान के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। ऐसे में 'मैं हूं ना 2' को लेकर फैंस का इंतजार और उत्साह दोनों ही लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' की रिलीज डेट का ऐलान

अमेजन प्राइम वीडियो पर 'मिर्जापुर' वेब सीरीज की जबरदस्त सफलता के बाद अब मेकर्स 'मिर्जापुरः द मूवी' लेकर आ रहे हैं। फैन्स के लिए बड़ी खुशी की बात यह है कि फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। रणभूमि में सत्ता, लड़ाई और भौकाल की कहानी अब सिनेमाघरों में भी पर्दे पर दिखाई देगी। फिल्म गुरमीत सिंह के निर्देशन में तैयार की जा रही है और इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिद्धवानी और फरहान अख्तर ने किया है। सह-निर्माता के रूप में कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी जुड़े हैं। मेकर्स ने रिलीज़ डेट का ऐलान करते हुए फिल्म का पोस्टर जारी किया, जिसमें लिखा है, अब देखिए भौकाल बड़े पर्दे पर 'मिर्जापुरः द मूवी' 4 सितंबर को आपके नज़दीकी सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है। फिल्म में सीरीज के चर्चित किरदारों का जबरदस्त कॉम्बो दिखेगा। अली फज़ल (गुड्डू पंडित), पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया) और दिव्येंदु (मुन्ना भैया) की वापसी दर्शकों के लिए खास आकर्षण होगी। इसके अलावा नई फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और अभिषेक बनर्जी जैसे नए चेहरे भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

दिशा पाटनी के साथ रिश्ते की खबर पर तलविंदर ने चुप्पी तोड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अक्सर अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। टाइगर श्रॉफ के साथ उनके रिश्ते ने एक समय खूब सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए। अब हाल के दिनों में दिशा का नाम पंजाबी गायक तलविंदर के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों के डेटिंग की खबरें सोशल मीडिया से लेकर एंटरटेनमेंट गलियारों तक छाई हुई हैं। इस बीच तलविंदर ने पहली बार इन चर्चाओं पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू के दौरान तलविंदर ने दिशा के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों पर बात करते हुए कहा कि (नुपुर सेनन और स्टेबिन बेन) से शादी पहले उनकी आपसी जान-पहचान बढ़ी थी, लेकिन अचानक सामने आई इन खबरों ने उन्हें भी हैरान कर दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे किसी भी तरह के दबाव या अफवाहों के आगे झुकना नहीं चाहते और फिलहाल एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे हैं। गायक ने आगे जोड़ा, अगर लोग अफवाह फैलाना चाहते हैं, तो मैं इसे अफवाह ही रहने दूंगा। प्यार और रिश्तों पर अपने विचार शेयर करते हुए तलविंदर ने कहा, मैं हर दिन प्यार में पड़ जाता हूं, मैं अभी भी प्यार में पड़ रहा हूं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान ने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। गौरतलब है कि उदयपुर में नुपुर सैनन और स्टेबिन बेन की शादी के दौरान दिशा और तलविंदर को पहली बार साथ देखा गया था, जिसके बाद से दोनों के रिश्ते को लेकर कयासों का दौर जारी है।

आयुष्मान खुराना की 'पति पत्नी और वो 2' की रिलीज टली

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों सूरज बड़जात्या की आगामी पारिवारिक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ शरवरी वाघ नजर आएंगी। इसी बीच उनकी बहुचर्चित फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर भी बड़ी अपडेट सामने आई है। फिल्म में आयुष्मान के साथ रकुल प्रीत सिंह, सारा अली खान और वामिका गब्बी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। हालांकि, अब इसकी रिलीज डेट में बदलाव की खबर ने फैंस को चौंका दिया है। बताया जा रहा है कि फिल्म पहले होली के मौके पर 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन का काम समय पर पूरा न होने की वजह से इसे टाल दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का एक गाना अभी शूट होना बाकी है और मेकर्स जल्दबाजी में रिलीज करने के मूड में नहीं हैं।

जीरो कमीशन, नो सर्ज प्राइसिंगः भारत के कैब सेक्टर में नया अध्याय

अब ड्राइवर बनेंगे मालिक

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के परिवहन क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरुआत करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'भारत टैक्सी' ऐप सेवा को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया। यह भारत का पहला सहकारी क्षेत्र द्वारा संचालित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मकसद देश भर में टैक्सी ड्राइवरों के लिए सहकारी भागीदारी को मजबूत करना और उनको आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना है। यह ऐप सेवा ओला और उबर जैसे निजी दिग्गजों को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार की गई है। दो महीने के सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद फिलहाल इस सेवा को दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में शुरू किया गया है।

पहली भारतीय सरकारी कैब सर्विस 'भारत टैक्सी' लॉन्च

अगले दो सालों में, भारत टैक्सी का लक्ष्य देश भर के सभी राज्यों और शहरों में विस्तार करना, हर राज्य में समर्पित सपोर्ट सेंटर स्थापित करना, ड्राइवरों की सामाजिक सुरक्षा को और मज़बूत करना, और नेशनल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ गहरे इंटीग्रेशन के जरिए एक स्थायी, समावेशी और सहकारिता पर आधारित मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करना है।

- अमित शाह, केंद्रीय सहकारिता मंत्री

सफल रहा पायलट प्रोजेक्ट, मिले ये परिणाम

सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, 'भारत टैक्सी' दुनिया का पहला और सबसे बड़ा ड्राइवर-स्वामित्व वाला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बन गया है। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं, इस दौरान अबतक 3 लाख से ज्यादा ड्राइवर्स इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं, वहीं 1 लाख से ज़्यादा यूजर्स ने खुद को इस पर रजिस्टर किया है। साथ ही दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में इसकी मदद से रोजाना 10,000 से ज्यादा राइड पूरी की जा रही हैं। इस दौरान अब तक ड्राइवरों को सीधे लगभग 10 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। दिल्ली में इसके लिए 7 समर्पित सहायता केंद्र भी शुरू किए गए हैं।

दो साल के अंदर देशभर में शुरू होगी सेवा

ऐप लॉन्च के दौरान समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, 'आज 8 लाख सारथी प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सहकारी टैक्सी की शुरुआत हो रही है। अगले दो वर्षों के भीतर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक पूरे देश में यह प्लेटफॉर्म हमारे टैक्सी सारथियों के कल्याण का सबसे बड़ा माध्यम साबित होगा।' शाह ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए इसी प्लेटफॉर्म पर 'बाइक दीदी' की सुविधा भी मिलेगी। यह एक ऐसी पहल है जिसके तहत अब तक 150 से ज़्यादा महिला ड्राइवर भारत टैक्सी से जुड़ चुकी हैं।

'भारत टैक्सी' सेवा की 5 प्रमुख विशेषताएं

- जीरो कमीशन मॉडल पर आधारित है, जिसमें ड्राइवरों से कोई कमीशन नहीं लिया जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।
- साथ ही इस ऐप के जरिए टैक्सी बुक करने पर यात्रियों को 'सर्ज प्राइजिंग' से मुक्ति मिलेगी, यानी पीक आवर्स के दौरान ग्राहकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं वसूला जाएगा।
- शाह ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म के जरिए होने वाला पूरा मुनाफा सीधे सारथियों (ड्राइवरों) के बीच बांटा जाएगा।
- इस ऐप से जुड़ने वाले सारथियों के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और रिटायरमेंट बचत की भी विशेष व्यवस्था की गई है।
- ड्राइवरों पर किसी भी तरह का 'एक्सक्लूसिविटी क्लॉज' भी नहीं होगा, यानी वे अन्य प्लेटफॉर्म्स पर भी काम करने के लिए स्वतंत्र रहेंगे।

चुनाव से पहले ममता बनर्जी का मास्टर स्ट्रोक

बंगाल में बेरोजगार युवाओं को प्रति माह मिलेंगे 1500 रुपए

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी सरकार ने बजट के जरिए बड़ा सियासी दांव चला है। गुरुवार को 2026-27 का बजट पेश करते हुए युवाओं, महिलाओं और बेरोजगारों के लिए कई अहम घोषणाएं की गईं। वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए बेरोजगारों को हर महीने 1,500 रुपये भत्ता देने की योजना का ऐलान किया।

'बंगला युवा साथी' योजना का ऐलान

बजट में 'बंगला युवा साथी' नामक नई योजना शुरू करने की घोषणा की गई है। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की उम्र के बेरोजगार युवाओं को नौकरी मिलने तक या अधिकतम पांच साल की अवधि तक हर महीने 1,500 रुपये की सहायता दी जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि तृणमूल कांग्रेस 2026 का विधानसभा चुनाव जीतकर सत्ता में लौटती है, तो यह योजना 15 अगस्त से लागू की जाएगी ।बजट में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों के भत्ते में 1,000 रुपये की बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है। साथ ही उनकी मृत्यु होने पर परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिसके लिए 280 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा आशा कार्यकर्ताओं को भी हर महीने 1,000 रुपये अतिरिक्त देने की घोषणा की गई है।

सरकारी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को भी फायदा

अंतरिम बजट में नागरिक स्वयंसेवकों और 'ग्रीन पुलिस' कर्मियों के मासिक वेतन में 1,000 रुपये की वृद्धि का ऐलान किया गया है, जिसके लिए 150 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में चार प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा कर लंबे समय से चली आ रही मांग को भी पूरा करने की कोशिश की है।

पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अकेले दम पर उतरने का फैसला किया है। पार्टी प्रदेश की सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। अप्रैल-मई में संभावित चुनावों को लेकर यह निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई पश्चिम बंगाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में लिया गया, जिसमें राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व ने बंगाल में चुनावी तैयारियों की गहन समीक्षा की। प्रदेश के सभी नेताओं ने अपने सुझाव रखे, जिसके बाद सामूहिक रूप से तय किया गया कि गठबंधन की राजनीति से कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरता है और संगठन कमजोर होता है। इसी वजह से इस बार किसी भी दल के साथ गठबंधन न करने का निर्णय लिया गया ।कांग्रेस नेताओं का मानना है कि 2021 में वामदलों समेत अन्य दलों के साथ गठबंधन का पार्टी को कोई लाभ नहीं मिला और एक भी सीट हासिल नहीं हो सकी।

'कार्यवाहक' डीजीपी की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों द्वारा नियमित पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति में की जा रही टालमटोल पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि नियमित अधिकारी के बजाय कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त करना योग्य और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अधिकारों का हनन है। अदालत ने इस प्रथा को 'प्रकाश सिंह बनाम भारत सरकार' मामले में तय किए गए ऐतिहासिक सुरक्षा मानकों और दिशानिर्देशों का सीधा उल्लंघन करार दिया है।

यूपीएससी को मिली राज्यों पर निगरानी की शक्ति

प्रशासनिक शिथिलता को खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को विशेष अधिकार प्रदान किए हैं। अब यूपीएससी राज्यों को समय पर डीजीपी चयन के प्रस्ताव भेजने के लिए औपचारिक रूप से लिख सकेगा। यदि कोई राज्य सरकार आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करती है या प्रस्ताव भेजने में जानबूझकर देरी करती है, तो यूपीएससी को सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की अनुमति दी गई है।

दिशानिर्देशों का उल्लंघन और राज्यों की रणनीति

अदालत के मौजूदा नियमों के अनुसार, डीजीपी की नियुक्ति के लिए राज्य सरकार को वरिष्ठ अधिकारियों के नाम यूपीएससी को भेजने होते हैं। आयोग इनमें से तीन सबसे योग्य अधिकारियों का एक पैनल (शॉर्टलिस्ट) तैयार करता है, जिनमें से किसी एक को राज्य सरकार डीजीपी नियुक्त करती है। हालांकि, कई राज्य सरकारें अपनी पसंद के अधिकारी को पद पर बनाए रखने या चयन प्रक्रिया से बचने के लिए समय पर नाम नहीं भेजतीं और 'कार्यवाहक' नियुक्तियों का सहारा लेती हैं।

तेलंगाना मामले से उजागर हुई प्रशासनिक लापरवाही

यह पूरा विवाद तब सामने आया जब यूपीएससी ने तेलंगाना सरकार द्वारा भेजे गए नामों पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। आयोग ने अदालत को बताया कि तेलंगाना के आखिरी नियमित डीजीपी अनुराग शर्मा 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे, लेकिन राज्य ने उसके बाद लंबे समय तक कोई सिफारिश नहीं भेजी। लगभग आठ साल की देरी के बाद अप्रैल 2025 में राज्य ने नाम भेजे, जिसे आयोग ने प्रक्रियात्मक उल्लंघन माना।

न्यूज़ ब्रीफ

एआई पर यूएन की शीर्ष समिति में भारतीय को जगह

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) पर गठित वैज्ञानिक पैनल के लिए 40 विशेषज्ञों का चयन किया है। इस सूची में आईआईटी मद्रास के एक प्रोफेसर को भी शामिल किया गया है। इस पैनल में दुनिया भर से 40 जाने-माने विशेषज्ञों को चुना गया है। गुतारेस ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने वैज्ञानिक समिति में नियुक्ति के लिए प्रत्येक क्षेत्र से 40 प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सूची रखी। इसमें बालारमन रविंद्रन भी शामिल हैं। बालारमन रविंद्रन आईआईटी मद्रास में डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग (डीएसएआई), डब्ल्यूएसएआई, आरबीसीडीएसएआई और सीईआरएआई के प्रमुख हैं। गुटारेस ने बुधवार को कहा कि हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूरी मानवता की सेवा करे।

मिजोरम कैबिनेट ने फिर भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का किया विरोध

आइजोल। मिजोरम कैबिनेट ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने की केंद्र सरकार की योजना का फिर से विरोध किया है। मिजोरम के प्रभावशाली सामाजिक संगठन म्यांमार के चिन समुदाय के साथ जातीय जुड़ाव को लेकर इसका विरोध कर रहे हैं। यही कारण है कि राज्य सरकार केंद्र के निर्णय का विरोध कर रही है। हालांकि, कैबिनेट ने यह भी माना है कि उसके पास केंद्र के इस कदम को रोकने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री लालदुहोमा की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में अंतरराष्ट्रीय सीमा के 510 किलोमीटर लंबे मिजोरम सेक्टर पर बाड़ लगाने के खिलाफ राज्य सरकार के रुख की पुष्टि की गई।

वांगचुक संबंधी याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत के खिलाफ उनकी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले की पीठ इस मामले की देखरेख कर रही है। इससे पहले, बुधवार को कोर्ट ने केंद्र सरकार से वांगचुक की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने की संभावना पूछी थी। फिलहाल, अदालत ने मामले की अगली तारीख तय करते हुए राहत की उम्मीद को कुछ दिनों के लिए और आगे बढ़ा दिया है।

केंद्र ने लगाया हिंसा भड़काने का आरोप

सुनवाई के दौरान केंद्र और लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक की हिरासत का बचाव करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि वांगचुक पिछले साल लेह में हुई उस हिंसा के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 161 लोग घायल हुए थे। सरकार का कहना है कि उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों को उकसाने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते हिरासत में लिया गया है। प्रशासन वांगचुक की गतिविधियों को क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के लिए एक चुनौती के रूप में देख रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पेश, अध्यक्ष ने नहीं दी चर्चा की अनुमति

- मेघालय की अवैध कोयला खदान में ब्लास्ट
- 10 मजदूरों की मौत, कई के दबे होने की आशंका

एजेंसी । ईस्ट जयंतिया हिल्स

मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले के एक सुदूरवर्ती इलाके में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में हुए भीषण डायनामाइट विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों को आशंका है कि मलबे में और भी मजदूर फंसे हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

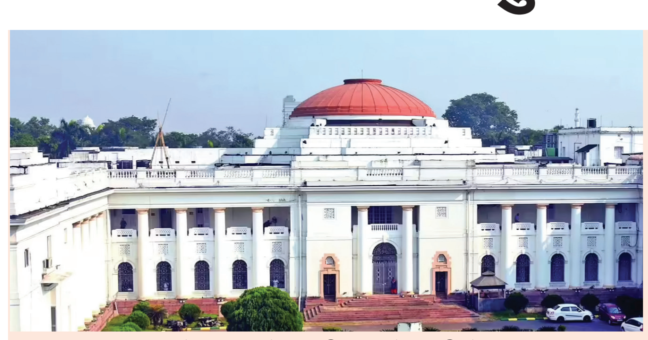

रेस्क्यू में जुटीं विशेष टीमें

विस्फोट की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता, फोरेंसिक विशेषज्ञ, राज्य आपदा मोचन बल और अग्निशमन सेवा की टीमें मयन्संगट थांगस्को क्षेत्र में पहुंचीं। ईस्ट जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि यह डायनामाइट विस्फोट था। अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि झुलसे हुए एक घायल को बेहतर इलाज के लिए शिलांग रेफर किया गया है।

पहाड़ी ढहने से दबे खनिक

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एक पहाड़ी पर अवैध रूप से कोयला खनन किया जा रहा था। विस्फोट के बाद पहाड़ी का हिस्सा ढह गया, जिससे वहां काम कर रहे कई खनिक मलबे में दब गए। उल्लेखनीय है कि इसी इलाके के थांगस्को गांव में 23 दिसंबर 2025 को भी ऐसा ही विस्फोट हुआ था, जिसमें दो खनिकों की मौत हो गई थी।

प्रतिबंध के बावजूद जारी अवैध खनन

गौरतलब है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अप्रैल 2014 में मेघालय में खतरनाक 'रैट-होल' कोयला खनन पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद अवैध खनन और कोयले के परिवहन की घटनाएं सामने आती रही हैं। हाई कोर्ट की निगरानी समिति के अनुसार सरकारी आश्वासनों के बावजूद यह गतिविधि थमी नहीं है, हालांकि मुख्यमंत्री कोनराड संगमा पहले दावा कर चुके हैं कि अवैध खनन से जुड़े 1,000 से अधिक मामलों में कार्रवाई की गई है।

संसद सत्र | सरकार ने लोकसभा में दी जानकारी

पिछले साल जनवरी से 377 विमानों में बार-बार हुई गड़बड़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों ने भारतीय विमानन क्षेत्र में तकनीकी सुरक्षा और विमानों के रखरखाव पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। सरकार ने लोकसभा में जानकारी दी है कि जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2026 के बीच विभिन्न एयरलाइंस के कुल 377 विमानों में बार-बार तकनीकी गड़बड़ी पाई गई है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्पष्ट किया कि इन विमानों की पहचान गहन विश्लेषण और सुरक्षा ऑडिट के बाद की गई है।

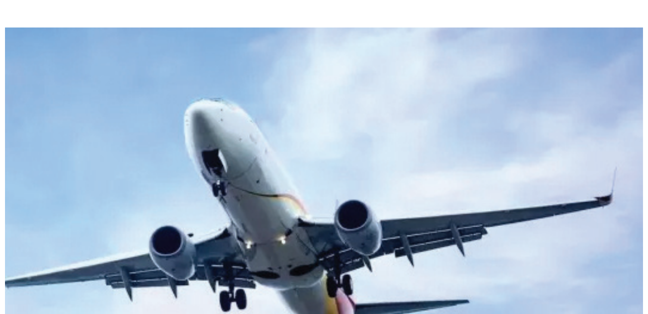

इंडिगो और एयर इंडिया के विमानों का विश्लेषण

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे बड़े विमान बेड़े वाली एयरलाइन इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 148 विमानों में बार-बार खराबी की बात सामने आई। इसी तरह, एयर इंडिया के 166 विमानों में से 137 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 101 विमानों में से 54 विमानों में तकनीकी कमियां बार-बार दर्ज की गईं। यह आंकड़े बताते हैं कि बड़े बेड़े वाली एयरलाइंस के परिचालन में रखरखाव एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

स्पाइसजेट और अकासा एयर की स्थिति

अन्य विमानन कंपनियों की बात करें तो स्पाइसजेट के 43 विमानों के विश्लेषण में 16 विमानों में बार-बार गड़बड़ी मिली। वहीं, नई विमानन कंपनी अकासा एयर के 32 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 14 विमानों में तकनीकी खामियां पाई गईं।

तकनीकी खराबी की घटनाओं में आई कमी

एक राहत भरी जानकारी देते हुए मंत्री मोहोल ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों के दौरान होने वाली तकनीकी गड़बड़ी की घटनाओं में निरंतर कमी आई है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023 में जहाँ 448 घटनाएं हुई थीं, वहीं वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 421 रह गई। गत वर्ष यानी 2025 में ऐसी केवल 353 घटनाएं दर्ज की गईं।

डीजीसीए का कड़ा निगरानी तंत्र

नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित सुरक्षा निगरानी तंत्र के तहत काम कर रहा है। इसके तहत पिछले कुछ समय में 3,890 निगरानी निरीक्षण किए गए हैं।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में नक्सली ढेर

- घटनास्थल से एक एके-47 राइफल बरामद की गई

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई जिले के दक्षिणी हिस्से के जंगलों में उस समय हुई जब सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम नक्सल रोधी अभियान पर निकली थी। सुबह करीब 7:30 बजे शुरू हुई इस गोलीबारी के बाद घटनास्थल से एक नक्सली का शव और एक एके-47 राइफल बरामद की गई है। क्षेत्र में अभी भी रुक-रुक कर फायरिंग जारी है और ऑपरेशन पूरी तरह समाप्त होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

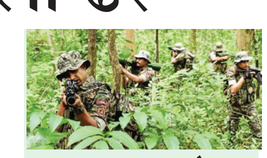

नक्सलवाद के खिलाफ तेज होता अभियान

इस ताजा कार्रवाई के साथ ही छत्तीसगढ़ में इस वर्ष अब तक कुल 23 नक्सली मारे जा चुके हैं। सुरक्षाबलों की यह सक्रियता केंद्र सरकार द्वारा देश से वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए तय की गई 31 मार्च की समयसीमा के अनुरूप देखी जा रही है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष राज्य में रिकॉर्ड 285 नक्सली मारे गए थे।